PAIGAM-E-JAGAT

पैग़ाम-ऐ-जगत

जो भी किया जा सकता है, उसी वक़्त किया जा सकता है, जिसे आप कल पर छोड़ रहे हैं, जान लें, आप करना नहीं चाहते हैं
-ओशो रजनीश

Title code : CHAMUL00914 | E-mail : Info@paigamejagat.com | मंगलवार, 13 अक्तूबर, 2026, साल-2, अंक-79, चंडीगढ़, मुख्य संपादक : दविंदर कुमार, संपर्क-94786-02733

पहली बार विपक्ष का सुप्रीम कोर्ट तक मार्च

एस.आई.आर. और ज्ञानेश कुमार के खिलाफ याचिका लगाई

राहुल-अखिलेश समेत 10 पार्टियों के 11 नेता याचिकाकर्ता

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर
(पैग़ाम-ऐ-जगत)

राहुल, प्रियंका, खड़गे के साथ अन्य विपक्षी सांसद सोमवार शाम अचानक सुप्रीम कोर्ट के अंदर पहुंचे। पहले विपक्षी सांसदों ने दिल्ली के बाराखंभा रोड से सुप्रीम कोर्ट की ओर मार्च निकाला था। उन्हें 500 मीटर पहले रोक दिया गया था। यह पहली बार है जब विपक्षी नेताओं ने किसी मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट तक मार्च निकाला। एस.आई.आर. में गड़बड़ी के खिलाफ विपक्ष ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है, जिसमें राहुल गांधी, अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव समेत 11 विपक्षी नेता याचिकाकर्ता हैं। मार्च के पहले राहुल गांधी ने 40 मिनट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें उन्होंने कहा था कि विपक्ष का मार्च शिवजी की बारात की तरह है, इसमें कोई भी शामिल हो सकता है। रविवार को विपक्षी सांसदों ने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत को पत्र लिखा था और ज्ञापन सौंपने के लिए समय मांगा था। लेकिन सीजेआई ने मिलने से इनकार कर दिया और याचिका दाखिल करने के लिए कहा था।



सुप्रीम कोर्ट में याचिका, 11 नेताओं के नाम

सुप्रीम कोर्ट में दाखिल जनहित याचिका में 11 नेताओं के नाम शामिल हैं। इनमें लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, तृणमूल कांग्रेस के सौगत राय, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव शामिल हैं। इनके अलावा शिवसेना (यूबीटी) के संजय राउत, माकपा के एम. ए. बेबी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के डी. राजा, झारखंड मुक्ति मोर्चा की महुआ माजी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की सुप्रिया सुले और इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के ई. टी. मोहम्मद बशीर के नाम भी याचिका में हैं।

जंतर-मंतर पर धरना-प्रदर्शन बैन

सरकार ने 33 साल पहले इजाजत दी थी; अन्ना आंदोलन, पहलवानों का प्रदर्शन, कॉकरोच पार्टी का धरना यहीं हुए

कॉकरोच जनता पार्टी ने इस साल 20 जून से 25 जुलाई तक जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया था। दिल्ली के जंतर-मंतर पर अब प्रदर्शन नहीं हो सकेंगे। केंद्र सरकार ने इसे निर्धारित प्रदर्शन स्थल की लिस्ट से हटा दिया है। सरकार ने 33 साल पहले जंतर-मंतर को प्रदर्शन की जगह तय किया था। गृह मंत्रालय की बनाई कमेटी की सिफारिश पर दिल्ली का रामलीला मैदान, बुराड़ी ग्राउंड और पूर्वी दिल्ली का सीबीडी ग्राउंड प्रदर्शन स्थल बनाए गए हैं। यहीं पर अन्ना आंदोलन, पहलवानों का प्रदर्शन, कॉकरोच पार्टी का धरना हुआ था। कॉकरोच जनता पार्टी ने सी.ई.सी. ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और एस.आई.आर. पर रोक की मांग को लेकर सोमवार को भी जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की परमिशन मांगी थी, लेकिन पुलिस ने इनकार कर दिया। इससे पहले सी.जे.पी. ने 20 जून से 25 जुलाई तक 'नीट' पेपर लीक के मुद्दे पर धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के लिए प्रदर्शन किया था। 36 दिन तक चले इस प्रदर्शन के दौरान एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक भी भूख हड़ताल पर बैठे थे। 25 जुलाई को प्रधान के इस्तीफे के बाद प्रदर्शन खत्म हो गया था।

दिल्ली में प्रदर्शन मेरा मुद्दा नहीं-मुख्य न्यायाधीश

दिल्ली में सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन और पाबंदियों पर सीजेई सूर्यकांत ने सोमवार को कहा- ये मेरा मुद्दा नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट के दरवाजे सभी के लिए खुले हैं और कोई भी आम नागरिक या निर्वाचित जनप्रतिनिधि याचिका दाखिल कर सकता है। मुख्य न्यायाधीश विज्ञान भवन में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के स्थापना दिवस कार्यक्रम में पहुंचे थे। इस बीच, मुख्य न्यायाधीश का वह लेटर भी सामने आया जो उन्होंने रविवार को 'इंडिया' ब्लॉक के नेताओं को मुलाकात से इनकार करने के लिए लिखा था।



इसमें उन्होंने कहा कि विपक्ष जिन मुद्दों पर चर्चा करना चाहता है, वे पहले से सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन हैं। ऐसे में इनपर मीटिंग करना न्यायिक मर्यादा और नैतिकता के खिलाफ होगा। 'इंडिया' ब्लॉक के नेताओं ने सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर मुख्य न्यायाधीश को लेटर लिखकर मुलाकात का समय मांगा था। राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 12 अक्टूबर की शाम अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपने की इच्छा जताई थी।

'बंदी सिखों' की रिहाई के लिए भगवंत मान सरकार कोई कसर नहीं छोड़ेगी

परमजीत भ्योरा और जगतार सिंह तारा की पैरोल का मुद्दा गवर्नर के सामने उठाएंगे: मुख्यमंत्री मान

चंडीगढ़, 12 अक्टूबर
(पैग़ाम-ऐ-जगत)

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि उनकी सरकार 'बंदी सिखों' (सिख कैदियों) की रिहाई के लिए हर कानूनी और संवैधानिक रास्ता अपनाएगी, क्योंकि यह लंबे समय से लंबित मामला अनिश्चित काल तक अनसुलझा नहीं छोड़ा जा सकता। उन्होंने बताया कि सरकार ने केंद्र और गवर्नर को भरोसा दिलाया था कि अगर जगतार सिंह हवारा को अपनी बीमार माँ से मिलने के लिए पैरोल दी जाती है, तो कानून-व्यवस्था पूरी तरह बनाए रखी जाएगी, लेकिन केंद्र ने अभी तक इसके लिए मंजूरी नहीं दी है।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि वह पंजाब के गवर्नर, जो चंडीगढ़ के एडमिनिस्ट्रेटर भी हैं, के साथ परमजीत सिंह भ्योरा और जगतार सिंह तारा की पैरोल का मुद्दा उठाएंगे। उन्होंने सिख संगठनों से भी अपील की कि वे अपना संघर्ष शांतिपूर्ण ढंग से और कानून के दायरे में रहकर जारी रखें।



अपने 'X' अकाउंट पर जानकारी साझा करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा, 'आज कौमी इंसाफ़ मोर्चा के प्रतिनिधियों के साथ एक अहम बैठक हुई। बैठक के दौरान, हमने उनकी मांगों पर विस्तार से चर्चा की और उन्हें भरोसा दिलाया कि हमारी सरकार 'बंदी सिखों' (सिख कैदियों) की जल्द रिहाई के लिए लगातार और ईमानदारी से प्रयास कर रही है। हम इस मुद्दे के सार्थक समाधान के लिए पूरी गंभीरता से काम कर रहे हैं और हमें उम्मीद है कि जल्द ही सकारात्मक नतीजे सामने आएंगे।' सिख संगठनों, किसान यूनियनों और अन्य समूहों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक के दौरान मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा, 'सरकार कानून के दायरे में रहकर हर संभव मदद देने को तैयार है।

'बंदी सिखों' (सिख कैदियों) से जुड़ा लंबे समय से लंबित मुद्दा अनिश्चित काल तक अनसुलझा नहीं छोड़ा जा सकता। 'आप' सरकार के इरादे और प्रतिबद्धता बिल्कुल स्पष्ट हैं, और हम न्याय के समर्थन में मजबूती से खड़े हैं।' मुख्यमंत्री ने आगे कहा, 'मैं अपने अधिकार क्षेत्र में हर संभव मदद देने के लिए तैयार हूं और राज्य सरकार इस मामले में कभी भी बाधा नहीं बनेगी।' उन्होंने संत सेवा सिंह (रामपुर खेड़ा), गुरदीप सिंह (बठिंडा), भाई मोहकम सिंह, गुरसेवक सिंह कहानेके, बाबा भूपिंदर सिंह और किसान नेता बूटा सिंह बुर्जगिल के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल को भरोसा

(शेष पेज 2 पर)

पंजाब की नई वोटर लिस्ट जारी; राज्य में 2.01 करोड़ रजिस्टर्ड वोटर

7.97 लाख नए वोटर जुड़े

चंडीगढ़, 12 अक्टूबर
(पैग़ाम-ऐ-जगत)

पंजाब में वोटर लिस्ट के स्पेशल रिविज़न (विशेष संशोधन) के बाद, राज्य में रजिस्टर्ड वोटरों की कुल संख्या अब 2.01 करोड़ हो गई है। आज जारी फाइनल वोटर लिस्ट के अनुसार, राज्य में कुल 2,01,00,727 वोटर अगले साल की शुरुआत में होने वाले पंजाब विधानसभा चुनावों में अपने वोट का अधिकार इस्तेमाल करेंगे। इस संख्या में 1,03,76,026 पुरुष वोटर, 97,24,195 महिला वोटर और थर्ड जेंडर के 506 वोटर शामिल हैं।

इस साल की शुरुआत में जारी ड्राफ्ट लिस्ट से 20 लाख से ज़्यादा एंट्रीज़ हटाने के बाद, अब पंजाब की वोटर लिस्ट में 7.97 लाख नए वोटर जोड़े गए हैं। इसका मतलब है कि वोटरों की कुल संख्या अब 2,01,00,727 है, जबकि स्पेशल समरी रिविज़न कैंपेन से पहले यह संख्या 2,14,61,043 थी। शुरुआत में, जब अगस्त में ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी की गई थी, तो 20,66,608 वोटरों के नाम हटा दिए गए थे और उस समय पंजाब में वोटरों की कुल संख्या 1,93,94,435 दर्ज की गई थी।

सीबीआई द्वारा एफआईआर लीक करने के आरोपों पर ओएसडी राजबीर घुम्मन की याचिका कोर्ट ने खारिज की

चंडीगढ़, 12 अक्टूबर
(पैग़ाम-ऐ-जगत)

चंडीगढ़ में सीबीआई कोर्ट के स्पेशल जज ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के ओएसडी राजबीर सिंह घुम्मन की याचिका खारिज कर दी है। इस याचिका में भ्रष्टाचार के मामले में उनके और अन्य लोगों के खिलाफ दर्ज एफआईआर को कथित तौर पर लीक करने के लिए पूरी सीबीआई टीम के खिलाफ कोर्ट की अवमानना की कार्यवाही शुरू करने की मांग की गई थी।



सीबीआई कोर्ट में दायर याचिका में घुम्मन ने दावा किया कि हालांकि सीबीआई ने इस मामले से जुड़ी एफआईआर को अपलोड करने पर रोक लगाने का कोर्ट का आदेश प्राप्त कर लिया था, लेकिन साथ ही उनकी छवि खराब करने की कोशिश में एफआईआर को मीडिया और जनता के लिए उपलब्ध करा दिया गया। याचिका का विरोध करते हुए सीबीआई के पब्लिक प्रॉसिक्यूटर नरिंदर सिंह ने तर्क दिया कि 6 अक्टूबर को दोपहर लगभग 2:25 बजे, जांच अधिकारी ने कोर्ट के सामने मामले की एफआईआर पेश की थी, साथ ही जांच के उस चरण में सीबीआई की वेबसाइट पर एफआईआर अपलोड करने से छूट की मांग करने वाली एक याचिका भी दायर की थी। याचिका में कहा गया था कि एफआईआर में आरोपियों की पहचान से जुड़ी जानकारी का खुलासा करने से सबूतों के साथ छेड़छाड़ हो सकती है और निष्पक्ष व प्रभावी जांच में बाधा आ सकती है।

6 अक्टूबर 2026 को आईओ द्वारा कोर्ट में एक अलग याचिका भी दायर की गई थी, जिसमें मामले की जांच के सिलसिले में तलाशी को अधिकृत करने के लिए बीएनएसएस की धारा 96 के तहत सर्च वारंट जारी करने की मांग की गई थी। उन्होंने कहा कि चूंकि मामले से जुड़ी छापेमारी अभी की जानी बाकी थी, और स्नड्रक की जानकारी का खुलासा होने से आरोपी सतर्क हो सकते थे-जिससे वे सबूतों के साथ छेड़छाड़ कर सकते थे या उन्हें नष्ट कर सकते थे-इसलिए जांच के उस चरण में एफआईआर अपलोड करने से छूट की मांग करते हुए

(शेष पेज 2 पर)

होर्मुज़ जलडमरूमध्य में 22 भारतीयों को ले जा रहे दो जहाजों पर हमला

भारत सरकार ने इस घटना की कड़ी निंदा की

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर
(पैग़ाम-ऐ-जगत)

होर्मुज़ जलडमरूमध्य में कुल 22 भारतीय क्रू सदस्यों को ले जा रहे दो कमर्शियल जहाजों पर हमला किया गया है; भारत ने इन हमलों की कड़ी निंदा की है।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, पहले जहाज 'MT पेट्रो डॉल्फिन' पर रविवार को एक ड्रोन से हमला किया गया। मंत्रालय ने कहा, 'हम 11 अक्टूबर को होर्मुज़ जलडमरूमध्य क्षेत्र में कमर्शियल जहाजों पर हुए हमलों की कड़ी निंदा करते हैं। खबरों से पता चलता है कि 'MT पेट्रो डॉल्फिन' को ड्रोन से निशाना बनाया गया था, और जहाज पर मौजूद 11 भारतीय नाविकों में से दो के लापता होने की खबर है।' बयान में कहा गया, 'मार्शल आइलैंड्स के झंडे वाले टैंकर 'रूख वाल्थेरा' पर एक अज्ञात प्रोजेक्टाइल (गोला या मिसाइल) से हमला किया गया, जिससे जहाज में आग लग गई। हालांकि, जहाज पर मौजूद सभी 11 भारतीय नाविक सुरक्षित हैं।'



विदेश मंत्रालय ने कहा कि मस्कट में भारतीय दूतावास स्थिति पर बारीकी से नज़र रख रहा है। लापता भारतीयों की तलाश करने और क्रू को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए ओमान के अधिकारियों और संबंधित जहाज प्रबंधन कंपनियों के साथ तालमेल बिठाया जा रहा है।

एक बयान में मंत्रालय ने कहा, 'भारतीय नाविकों की सुरक्षा भारत सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस क्षेत्र में कमर्शियल जहाजों पर बार-बार होने वाले हमले गहरी चिंता का विषय हैं और इससे पहले से ही तनावपूर्ण

(शेष पेज 2 पर)

कैंसर की दवाओं जैसी दूसरी दवाओं के प्रॉफ़िट मार्जिन पर कोई लिमिट क्यों नहीं?: सुप्रीम कोर्ट

- **27 अक्टूबर तक दवाओं की कीमतों पर पॉलिसी बनाने का निर्देश दिया**

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर
(पैग़ाम-ऐ-जगत)

कैंसर की दवाओं की ज़्यादा कीमतों और प्रॉफ़िट मार्जिन का मुद्दा उठाते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा कि कैंसर की दवाओं के लिए ट्रेड मार्जिन को मैक्सिमम रिटेल प्राइस के 30 प्रतिशत तक सीमित करने का नियम दूसरी दवाओं के लिए क्यों लागू नहीं किया जा सकता। केंद्र के जवाब को नाकाफ़ी बताते हुए कोर्ट ने कहा कि इसमें मरीज़ों के फ़ायदे के लिए कोई ठोस बात नहीं थी।

जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने गौर किया कि 11 रुपए की लागत वाली IV ड्रिप बाज़ार में 270 रुपए में बेची जा रही है। बेंच ने सवाल किया कि किसी दवा को उसकी असल लागत से कई गुना ज़्यादा कीमत पर बेचने की इजाज़त कैसे



दी जा सकती है। दवाओं की कीमतों को कंट्रोल करने के लिए पॉलिसी बनाने के निर्देश

केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि कैंसर की दवाओं पर ट्रेड मार्जिन को 30 प्रतिशत तक सीमित करने से मरीज़ों के सालाना लगभग ?2,500 करोड़ बचने की उम्मीद है। सरकार ने यह भी कहा कि भारत में दवाओं की कीमतें दुनिया में सबसे कम हैं।

बेंच ने कहा कि सरकार को यह पक्का करना चाहिए कि कीमत-कंट्रोल वाली दवाएं असल में मरीज़ों तक पहुँचें; अगर ऐसा नहीं होता है, तो ज़िम्मेदारी सरकार की होगी। कार्डियक

(शेष पेज 2 पर)

बठिंडा के पार्क हॉस्पिटल में ई.डी. की छापेमारी

आयुष्मान भारत योजना में गड़बड़ी को लेकर छापेमारी



चंडीगढ़, 12 अक्टूबर
(पैग़ाम-ऐ-जगत)

पंजाब के बठिंडा स्थित पार्क अस्पताल में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम की कार्रवाई की सूचना सामने आई है। सूत्रों के अनुसार, आयुष्मान भारत योजना के तहत कथित अनियमितताओं को लेकर अस्पताल में छापेमारी की गई है।

ईडी ने निजी अस्पतालों में इस सरकारी स्वास्थ्य योजना के तहत कथित गड़बड़ियों की जांच शुरू की है। हालांकि, बठिंडा में हुई कार्रवाई के संबंध में एजेंसी की ओर से विस्तृत आधिकारिक जानकारी सामने आना बाकी है।

- **हरियाणा में मरीज के इलाज में कथित धोखाधड़ी के मामले में पहले दर्ज हो चुकी है एफआईआर**

परिवार का आरोप पैर टूटा; दिल में स्टेंट लगाया गया

जानकारी के अनुसार, हरियाणा में सड़क हादसे के बाद पैर की हड्डी टूटने पर एक महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। महिला के परिवार के पास आयुष्मान भारत योजना का कार्ड था। परिवार ने आरोप लगाया था कि पैर का इलाज करने के बजाय अस्पताल में महिला की सहमति के बिना उसके दिल में स्टंट लगा दिया गया। परिवार का आरोप था कि आयुष्मान भारत योजना के तहत अधिक राशि का दावा करने के लिए ऐसा किया गया। इस घटना के बाद महिला की मौत हो गई थी। परिवार की शिकायत के आधार पर पुलिस ने अस्पताल के डॉक्टरों के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

इस मामले का संबंध हरियाणा में सामने आए एक कथित धोखाधड़ी के मामले से भी बताया जा रहा है। पानीपत

(शेष पेज 2 पर)



ईडी ने लुधियाना की पुलिस कमिश्नर स्वप्ना शर्मा को समन भेजा

लुधियाना, 12 अक्टूबर
(पैग़ाम-ऐ-जगत)

प्रवर्तन निदेशालय ने लुधियाना की पुलिस कमिश्नर स्वप्ना शर्मा और अन्य लोगों को 19 अक्टूबर, 2026 को अपने चंडीगढ़ ऑफिस में बुलाया है। यह मामला कथित तौर पर यह साबित करने के लिए तैयार की गई फर्जी फोरेंसिक और साइबर रिपोर्ट से जुड़ा है कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान का एक वीडियो ए.आई.-जनरेटेड (नकली) था। रिपोर्ट्स के अनुसार, ईडी इस मामले में शामिल संदिग्ध वित्तीय लेन-देन और इसके पीछे की कथित साजिश की गहराई से जांच कर रही है। विवाद तब और बढ़ गया जब गुरुग्राम पुलिस ने एक मामला दर्ज किया, जिसमें खुलासा हुआ कि मुख्यमंत्री के वीडियो को नकली साबित



(शेष पेज 2 पर)

रिटेल महंगाई लगातार 11वें महीने बढ़ी

सितंबर में 0.72% बढ़कर 5.54% पर पहुंची

- **आलू, प्याज, टमाटर महंगे हुए; चांदी के गहने सस्ते**

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर
(पैग़ाम-ऐ-जगत)

खाद्य पदार्थों- विशेषकर सब्जियों- की कीमतों में आए तेज उछाल के कारण सितंबर 2026 में भारत की खुदरा मुद्रास्फीति बढ़कर 5.54% पर पहुंच गई है। सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, यह अगस्त में दर्ज 4.83% की तुलना में एक बड़ी छलांग है। यह लगातार चौथा महीना है जब उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित महंगाई दर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के 4% के मध्यम-अवधि लक्ष्य से ऊपर बनी हुई है।

यह आंकड़ा 2024 के नए आधार वर्ष वाली संशोधित सीपीआई श्रृंखला के तहत वर्ष 2026 की अब तक की सबसे



उच्चतम दर है। इससे पहले जून में महंगाई दर 4.38%, जुलाई में 4.45% और अगस्त में 4.83% दर्ज की गई थी। यह बढ़ोतरी रॉयटर्स के 41 अर्थशास्त्रियों के पोल अनुमान (5.40%) से भी अधिक रही है।

खुदरा मुद्रास्फीति में इस तेजी का मुख्य कारण खाद्य वस्तुओं, मुख्य रूप से सब्जियों की कीमतों में आई भारी बढ़ोतरी है। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल के बढ़ते दाम, कमजोर होता रुपया और कृषि पैदावार को लेकर अनिश्चितता ने स्थिति को अधिक जटिल बना दिया है।

ग्रामीण और शहरी महंगाई में अंतर: सितंबर में ग्रामीण सीपीआई मुद्रास्फीति उछलकर 6.08% पर पहुंच गई, जो अगस्त में 5.24% थी। इसके मुकाबले

(शेष पेज 2 पर)

केरल में मिनी कूपर की टक्कर से तीन छात्रों की मौत

- **आरोपी ड्राइवर ने कहा, 'मेरे पिता सब संभाल लेंगे'; शराब पीकर गाड़ी चलाने के आरोप की जांच चल रही है**

कोच्चि, 12 अक्टूबर
(पैग़ाम-ऐ-जगत)

केरल के कोच्चि ज़िले के नेडुम्बसेरी इलाके में तेज़ रफ़्तार मिनी कूपर कार की टक्कर से स्कूटर पर सवार तीन छात्रों की मौत हो गई। टक्कर इतनी ज़ोरदार थी कि तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। एक चश्मदीद के मुताबिक, हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने कार ड्राइवर को रोका; इस दौरान ड्राइवर ने कथित तौर पर कहा कि उसके पिता सब संभाल लेंगे। सलीम नाम के एक चश्मदीद ने बताया कि जब हादसा हुआ तो वह घटनास्थल के पास ही था। टक्कर की तेज़ आवाज़ सुनकर आस-पास के लोग मौके पर दौड़े। उन्होंने देखा कि तीन लोग सड़क पर घायल अवस्था में पड़े थे। सलीम के अनुसार, तीनों को मिनी कूपर ने टक्कर मारी थी।



सलीम ने बताया कि टक्कर के बाद स्थानीय लोगों ने कार को रोका और ड्राइवर से पूछताछ की। एक चश्मदीद का दावा है कि ड्राइवर बार-बार यही कहता रहा कि उसके पिता पूरी स्थिति संभाल लेंगे। इसके बाद पुलिस और एम्बुलेंस मौके पर पहुँची, लेकिन तब तक तीनों घायल लोगों की मौत हो चुकी थी।

(शेष पेज 2 पर)

ऐतिहासिक उपलब्धि: माई भागो ए.एफ.पी.आई. की 17 महिला कैडेटों द्वारा एन.डी.ए. परीक्षा उत्तीर्ण

भारत के किसी भी सरकारी संस्थान से उत्तीर्ण होने वाली महिला कैडेटों की सबसे बड़ी संख्या

चंडीगढ़, 12 अक्टूबर
(पैग़ाम-ऐ-जगत)

माई भागो आर्म्ड फोर्सेज़ प्रिपरेटरी इंस्टीट्यूट' (ए.एफ.पी.आई.) मोहाली की 17 महिला कैडेटों ने एन.डी.ए. की लिखित परीक्षा उत्तीर्ण करके राष्ट्रीय स्तर पर इतिहास रच दिया है। यह देश के किसी भी सरकारी संस्थान, जिसमें सैनिक स्कूल और राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल भी शामिल हैं, द्वारा एन.डी.ए. परीक्षा उत्तीर्ण करने वाली महिला कैडेटों की अब तक की सबसे बड़ी संख्या है।

बड़ी चुनौतियों के बावजूद यह सफलता हासिल करने वाली 17 महिला कैडेटों में तन्वी, उर्वी, सिमरनप्रीत कौर, कोमलप्रीत कौर, पहुलजीत कौर, जसमीत कौर, मुस्कानप्रीत कौर, गरिमा, अनीशा, प्रणया कारगवाल, जशनदीप कौर, समृद्धि, अर्शकिरन कौर, सहजप्रीत कौर, जपनीत कौर, खुशी और जसलीन कौर शामिल हैं। उन्होंने यह परीक्षा ऐसी प्रणाली में उत्तीर्ण की है जहाँ एन.डी.ए. की कुल सीटों में से केवल 6 प्रतिशत सीटें ही लड़कियों के लिए आरक्षित हैं, जबकि 94 प्रतिशत सीटें लड़कों के लिए आरक्षित हैं।

• लड़कियों को सशक्त बनाने में पंजाब देश भर में अग्रणी बनकर उभरा; यह उपलब्धि माई भागो ए.एफ.पी.आई. में एन.डी.ए. विंग शुरू करने संबंधी मान सरकार के दूरदर्शी निर्णय का परिणाम है : अमन अरोड़ा



इसे एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए, पंजाब के रोज़गार उत्पत्ति, कौशल विकास और प्रशिक्षण मंत्री श्री अमन अरोड़ा ने कहा कि इन परिणामों ने लड़कियों को सशस्त्र बलों में करियर बनाने के लिए सक्षम बनाने में देश के अग्रणी राज्य के रूप में पंजाब की पहचान को और मज़बूत किया है। उन्होंने आगे कहा कि यह जीत मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार के उस दूरदर्शी निर्णय पर मुहर लगाती है जिसके तहत माई भागो ए.एफ.पी.आई. में लड़कियों के लिए एन.डी.ए. की तैयारी संबंधी विंग शुरू किया गया था। उन्होंने कहा कि यह तो केवल शुरुआत है और आने वाले वर्षों में परिणाम और भी बेहतर होंगे।

अमन अरोड़ा ने कैडेटों, उनके परिवारों और फैकल्टी को बधाई देते हुए कहा, 'मुझे माई भागो ए.एफ.पी.आई. की 17 महिला कैडेटों पर बहुत गर्व है। यह केवल इन नौजवान लड़कियों की जीत नहीं, बल्कि पंजाब के लिए एक ऐतिहासिक पल है। ऐसी प्रणाली में सफलता हासिल करने के लिए, जहाँ 94 प्रतिशत सीटें लड़कों के लिए आरक्षित हैं, असाधारण साहस और प्रतिभा की आवश्यकता होती है और हमारी बेटियों ने अपने साहस और कौशल का बखूबी प्रदर्शन किया है।'

उन्होंने कहा, 'यह परिणाम हमारी बेटियों को विश्व-स्तरीय प्रशिक्षण के साथ सशक्त बनाने के प्रति हमारी सरकार के दृष्टिकोण का प्रत्यक्ष प्रमाण है। माई भागो ए.एफ.पी.आई. आज उत्कृष्टता की एक मिसाल के रूप में खड़ी है और मुझे पूरा भरोसा है कि ये कैडेट एस.एस.बी. और उससे आगे भी देश का नाम रौशन करेंगी।'

गांवों के विकास को मिली गति, सुंडरा, मौरठीकरी और ककराली में विकास कार्यों की शुरुआत

डेराबस्सी, 12 अक्टूबर
(पैग़ाम-ऐ-जगत)

हलका विधायक सरदार कुलजीत सिंह रंधावा ने आज हलके के गांव सुंडरा, मौरठीकरी और ककराली में कुल 27 लाख रुपये की लागत से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों की शुरुआत करवाई।

इसके तहत गांव मौरठीकरी और ककराली में 'रंगला पंजाब' योजना के अंतर्गत 10-10 लाख रुपये तथा गांव सुंडरा में 15वें वित्त आयोग के तहत 7 लाख रुपये की लागत से गलियों, नालियों और गंदे पानी की निकासी से संबंधित कार्य करवाए जाएंगे।

इस अवसर पर विधायक सरदार रंधावा ने कहा कि पंजाब सरकार गांवों के सर्वांगीण विकास और लोगों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। हलके के

• 27 लाख रुपये की लागत से करवाए जाएंगे विकास कार्य



गांवों में लोगों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विकास कार्य प्राथमिकता के आधार पर करवाए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हलके में विकास की इस गति को लगातार जारी रखा जाएगा। इस अवसर पर गांव सुंडरा से परमजीत कौर, गांव मौरठीकरी की सरपंच हरमनजोत कौर पत्नी अर्शकीरत सिंह, गांव ककराली की सरपंच रितिका धर्मपत्नी लखविंदर सिंह, ब्लॉक समिति सदस्य मुकेश कमल, आप नेता वरिंदर सिंह, कुलविंदर सिंह फौजी पंडवाला सहित गांववासी और संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

जरनैल सिंह द्वारा डीएसजीएमसी के सभी सदस्यों को खुला पत्र, 10 सवालों के जवाब सार्वजनिक करने की मांग

पैग़ाम-ऐ-जगत/चंडीगढ़/नई दिल्ली
12 अक्टूबर (हरमिंदर सिंह नागपाल)

आम आदमी पार्टी के चंडीगढ़ प्रभारी और दिल्ली की तिलक नगर विधानसभा सीट से विधायक जरनैल सिंह ने 10 अक्टूबर को गुरुद्वारा श्री बंगला साहिब में हुई पुलिस कार्रवाई के संबंध में दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीएमसी) के सभी सदस्यों को खुला पत्र लिखा है। उन्होंने पत्र के माध्यम से 10 अहम सवाल उठाते हुए कमेटी सदस्यों से अपनी भूमिका स्पष्ट करने और संगत के मन में उठ रहे सवालों के लिखित जवाब सार्वजनिक करने की मांग की है।

जरनैल सिंह ने कहा कि सिख धर्म की शिक्षाएं शरण में आए व्यक्ति की रक्षा, मानवता के सम्मान और जुल्म के विरुद्ध खड़े होने का संदेश देती हैं। उनके अनुसार बंगला साहिब में घटी घटना ने गुरु घर की मर्यादा, संगत के सम्मान और प्रबंधकों की जवाबदेही बारे गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

उन्होंने पूछा कि क्या कमेटी सदस्य गुरुद्वारा साहिब के पवित्र परिसर में पुलिस मुलाजिमों द्वारा बूट पहन कर, सिरों पर टोपियां पहन कर और डंडों सहित दाखिल होने और संगत को कथित तौर पर खींच कर बाहर निकालने की कार्रवाई को जायज मानते हैं। उन्होंने यह भी पूछा कि ऐसी स्थिति में गुरु घर की मर्यादा और संगत के हितों की रक्षा की जिम्मेदारी किसकी है और घटना के समय डीएसजीएमसी ने क्या कदम उठाए। प्रदर्शनकारियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करवाने के फैसले बारे उन्होंने पूछा कि क्या यह फैसला कमेटी की किसी आधिकारिक मीटिंग में लिया गया था और क्या सभी सदस्य इससे सहमत थे। उन्होंने मांग की कि मीटिंग

• बंगला साहिब में 10 अक्टूबर को हुई पुलिस कार्रवाई, गुरु घर की मर्यादा, संगत के सम्मान, एफआईआर, सीसीटीवी फुटेज और सियासी हितों बारे उठाए सवाल

और फैसले का ब्योरा सार्वजनिक किया जाए। साथ ही पुलिस की कार्रवाई, संगत के साथ कथित दुर्व्यवहार और एक सिख विद्यार्थी की पगड़ी उतारे जाने संबंधी लगे आरोपों की निष्पक्ष जांच की मांग की गई थी या नहीं, इस बारे भी स्पष्टीकरण मांगा।

उन्होंने घटना की पूरी सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने, रिकॉर्ड के साथ छेड़छाड़ रोकने और जांच एजेंसियों को फुटेज मुहैया करवाने के लिए उठाए कदमों की जानकारी देने के लिए कहा। अशोका रोड से गुरुद्वारा साहिब की ओर आने वाले रास्ते की कानूनी और प्रशासनिक स्थिति बारे भी सवाल उठाया। उन्होंने पूछा कि क्या यह रास्ता गुरुद्वारा साहिब के प्रबंधकीय परिसर का हिस्सा है या सार्वजनिक रास्ता। अगर वहां दाखिले के लिए कमेटी की मंजूरी जरूरी थी, तो क्या पुलिस ने इजाजत ली थी और इसका कोई लिखित रिकॉर्ड है?

पत्र में 23 जुलाई 2004 को श्री अकाल तख्त साहिब द्वारा आरएसएस और राष्ट्रीय सिख संगत संबंधी जारी हुक्मनामे की पालना बारे भी सवाल किया गया। जरनैल सिंह ने पूछा कि क्या डीएसजीएमसी सदस्य इस हुक्मनामे की पालना करते हैं और क्या उन्होंने या कमेटी के अन्य सदस्यों ने आरएसएस या इससे संबंधित संगठनों के प्रोग्रामों में शिरकत की है।

उन्होंने कमेटी के कुछ सदस्यों की सियासी इच्छाओं बारे पूछते हुए कहा कि क्या कोई सदस्य भाजपा द्वारा अपने विधानसभा हलके से चुनाव लड़ने के लिए टिकट का दावेदार है और क्या कमेटी के पद को सियासी लाभ के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने यह भी पूछा कि क्या सदस्य आरएसएस की विचारधारा और भाजपा की उन नीतियों से सहमत हैं, जिन्हें कुछ वर्ग सिख पंथ की अलग धार्मिक पहचान से टकराता मानते हैं। उन्होंने सिख पंथ की अलग अस्तित्व और पंथक मर्यादा को किसी भी सियासी पार्टी से ऊपर रखने की बात की।

दिल्ली पुलिस द्वारा भाजपा का समर्थन करने वाले बताए जाते कुछ डीएसजीएमसी सदस्यों को सुरक्षा दिए जाने संबंधी दावों पर भी उन्होंने स्पष्टीकरण मांगा। उन्होंने पूछा कि किन सदस्यों को पुलिस सुरक्षा मिली है और इसके लिए क्या मापदंड अपनाए गए हैं।

जरनैल सिंह ने कहा कि गुरुद्वारा साहिब की शरण में आने वाला हर व्यक्ति सम्मान का हकदार है और किसी भी विवाद में सभी पक्षों की जांच तथ्यों के आधार पर होनी चाहिए। उन्होंने डीएसजीएमसी सदस्यों से यह भी पूछा कि इस मामले में उनकी पहली प्राथमिकता गुरु घर की मर्यादा और संगत का सम्मान है या सियासी विवाद में किसी एक पक्ष का समर्थन करना।

उन्होंने कहा कि पत्र किसी निजी विरोध के लिए नहीं, बल्कि गुरु घर की मर्यादा, संगत के सम्मान और कमेटी की जवाबदेही से जुड़े सवालों के जवाब लेने के लिए लिखा गया है। उन्होंने सभी सदस्यों से अपील की कि वे उठाए गए सवालों के लिखित जवाब जल्द सार्वजनिक करें। उन्होंने कहा, 'गुरु घर की मर्यादा किसी भी सियासी पार्टी से ऊपर है। संगत के सवालों का जवाब देना डीएसजीएमसी के हर सदस्य की जिम्मेदारी है।

जेबीटी के 40 चयनित अभ्यर्थियों के प्रमाण पत्रों का सत्यापन 23 अक्तूबर को

ऊना, 12 अक्तूबर
(पैग़ाम-ऐ-जगत)

हिमाचल प्रदेश राज्य चयन आयोग, हमीरपुर द्वारा जेबीटी (जूनियर बेसिक टीचर) के चयनित 40 अभ्यर्थियों की सूची जिला ऊना में रिक्त पदों को भरने के लिए उप निदेशक, प्रारंभिक शिक्षा, ऊना के कार्यालय में प्राप्त हुई है। चयनित अभ्यर्थियों के प्रमाण पत्रों का सत्यापन 23 अक्तूबर को प्रात: 10 बजे उप निदेशक प्रारंभिक शिक्षा, ऊना के कार्यालय में किया जाएगा।

उप निदेशक प्रारंभिक शिक्षा, ऊना, सोमलाल धीमान ने सभी चयनित अभ्यर्थियों से निर्धारित तिथि एवं समय पर अपने मूल प्रमाण पत्रों तथा मूल प्रमाण पत्रों की एक सत्यापित प्रति सहित उपस्थित होने का आग्रह किया है, ताकि सत्यापन की प्रक्रिया नियमानुसार पूरी की जा सके।



उन्होंने बताया कि सत्यापन के दौरान अभ्यर्थियों को मैट्रिक, जमा दो, टेट, जेबीटी प्रमाण पत्र, हिमाचल प्रदेश का प्रमाण पत्र, सक्षम अधिकारी द्वारा जारी नवीनतम चरित्र प्रमाण पत्र, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग से संबंधित प्रमाण पत्र, नवीनतम पासपोर्ट आकार का फोटो, खंड विकास अधिकारी द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित बीपीएल प्रमाण पत्र, रोजगार कार्यालय के कार्ड की प्रति तथा शैक्षणिक योग्यता से संबंधित अन्य प्रमाण पत्र साथ लाने होंगे।

सोमलाल ने बताया कि चयनित अभ्यर्थियों की सूची और बायोडाटा फॉर्म उप निदेशक प्रारंभिक शिक्षा, ऊना के कार्यालय की आधिकारिक वेबसाइट www.ddeuuna.in पर उपलब्ध हैं। उन्होंने सभी चयनित अभ्यर्थियों से आह्वान किया कि वे सत्यापन से पहले सूची एवं बायोडाटा फॉर्म का अवलोकन कर लें और आवश्यक दस्तावेजों के साथ निर्धारित समय पर उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

पीएम सूर्य घर योजना के तहत रक्कड़ में 13 से 15 अक्तूबर तक लगेगा 'सेवा सेतु' शिविर

ऊना, 12 अक्तूबर
(पैग़ाम-ऐ-जगत)

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के प्रति आम जनता को जागरूक करने और पात्र उपभोक्ताओं के पंजीकरण के उद्देश्य से हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड द्वारा 13 से 15 अक्तूबर तक ऊना शहर के रक्कड़ में तीन दिवसीय विशेष 'सेवा सेतु' जागरूकता एवं पंजीकरण शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक विद्युत बोर्ड के विद्युत परिचालन वृत्त कार्यालय, रक्कड़ में कालगीधर फर्नीचर के सामने आयोजित होगा।

• रूफटॉप सोलर संयंत्र, पात्रता, पंजीकरण और सरकारी वित्तीय सहायता की मिलेगी जानकारी

विद्युत बोर्ड द्वारा आयोजित इस तीन दिवसीय शिविर में उपभोक्ताओं को अपने घरों की छतों पर रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित करने के लाभ, योजना की पंजीकरण प्रक्रिया, पात्रता संबंधी शर्तों और सरकार द्वारा निर्धारित वित्तीय सहायता के प्रावधानों की जानकारी दी जाएगी। शिविर के दौरान उपभोक्ताओं को सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने की प्रक्रिया, अधिकृत विक्रेताओं के माध्यम से संयंत्र लगवाने तथा योजना से जुड़ी आवश्यक औपचारिकताओं के बारे में मार्गदर्शन दिया जाएगा। साथ ही, उपभोक्ताओं की जिज्ञासाओं का समाधान करने और पात्र लाभार्थियों को पंजीकरण के लिए प्रोत्साहित करने पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। विद्युत बोर्ड ने लोगों से अपील की है कि वे शिविर में भाग लेकर योजना की विस्तृत जानकारी प्राप्त करें तथा निर्धारित नियमों और पात्रता शर्तों के अनुसार इसका लाभ उठाएं। रूफटॉप सोलर संयंत्र अपनाकर उपभोक्ता बिजली खर्च में बचत करने के साथ स्वच्छ एवं नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने में भी योगदान दे सकते हैं।

ऊना में निजी कोचिंग सेंटरों का पंजीकरण अनिवार्य, 50 हजार रुपये शुल्क निर्धारित

ऊना, 12 अक्तूबर
(पैग़ाम-ऐ-जगत)

जिला ऊना में संचालित सभी पात्र निजी कोचिंग सेंटरों को निर्धारित नियमों के तहत पंजीकरण करवाना अनिवार्य होगा। पंजीकरण के लिए 50 हजार रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है, जबकि पंजीकरण प्रमाण-पत्र तीन वर्ष के लिए वैध रहेगा। नवीनीकरण के लिए 25 हजार रुपये शुल्क जमा करवाना होगा। अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) ऊना इशांत जसवाल ने कोचिंग सेंटर संचालकों को निर्धारित नियमों, विद्यार्थियों की सुरक्षा और आवश्यक सुविधाओं से संबंधित प्रावधानों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। एडीसी ने बताया कि इस संबंध में पूर्व में जिला स्तरीय कमेटी की बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में कोचिंग सेंटर्स (रजिस्ट्रेशन एंड रेगुलेशन) रूल्स के तहत पंजीकरण, आधारभूत सुविधाओं, विद्यार्थियों की सुरक्षा, फीस में पारदर्शिता और नियमों के अनुपालन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा कर आवश्यक निर्णय लिए गए।

उप निदेशक, उच्च शिक्षा कार्यालय में जमा होंगे आवेदन

जिला ऊना में संचालित सभी पात्र निजी कोचिंग सेंटरों को निर्धारित आवेदन पत्र भरकर उप निदेशक, उच्च शिक्षा, ऊना के कार्यालय में जमा करवाना होगा। आवेदन पत्र निर्धारित

• तीन साल के लिए मिलेगा पंजीकरण प्रमाण-पत्र, नवीनीकरण के लिए देने होंगे 25 हजार रुपये



वेबसाइट पर उपलब्ध है। आवेदन के साथ 50 हजार रुपये पंजीकरण शुल्क भी जमा करवाना होगा। प्राप्त आवेदनों की जांच जिला स्तरीय कमेटी द्वारा निर्धारित नियमों एवं मानदंडों के अनुसार की जाएगी। सभी आवश्यक शर्तें पूरी करने वाले कोचिंग सेंटरों को तीन वर्ष की वैधता वाला पंजीकरण प्रमाण-पत्र जारी किया जाएगा। निर्धारित शर्तें पूरी नहीं करने वाले आवेदनों को अस्वीकृत किया जा सकता है। हालांकि, आवश्यक कमियां दूर करने के बाद संबंधित सेंटर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार दोबारा आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

कमियां दूर करने के लिए मिलेगा अधिकतम तीन माह का समय

आवेदन की जांच के दौरान आवश्यक सुविधाओं अथवा निर्धारित मानदंडों से संबंधित कमियां पाए जाने पर संबंधित कोचिंग सेंटर को उन्हें दूर करने के लिए अधिकतम तीन माह का समय दिया जा सकेगा। इस अवधि में सेंटर को निर्धारित शर्तें पूरी करनी होंगी। एडीसी ने कहा कि कोचिंग सेंटरों में विद्यार्थियों की संख्या के अनुरूप पर्याप्त कक्षाएं, उचित प्रकाश व्यवस्था, बेहतर वेंटिलेशन, स्वच्छ पेयजल, शौचालय, अग्नि सुरक्षा तथा अन्य आवश्यक आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाना अनिवार्य होगा। इसके साथ ही शिक्षण व्यवस्था, पाठ्यक्रम, कक्षाओं के संचालन और विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करवाने से संबंधित निर्धारित प्रावधानों का पालन भी सुनिश्चित करना होगा।

फीस में पारदर्शिता और रिकॉर्ड रखना अनिवार्य

कोचिंग सेंटर संचालकों को विद्यार्थियों के प्रवेश, फीस, उपस्थिति तथा अन्य आवश्यक विवरणों का उचित एवं अद्यतन रिकॉर्ड रखना होगा। विद्यार्थियों से ली जाने वाली ट्यूशन फीस और अन्य शुल्कों में पारदर्शिता बनाए रखने के साथ-साथ फीस संबंधी निर्धारित प्रावधानों का पालन करना भी आवश्यक होगा।

स्थान बदलने से पहले लेनी होगी अनुमति

पंजीकृत कोचिंग सेंटरों को अपने पंजीकृत स्थान में परिवर्तन करने से पहले निर्धारित प्रक्रिया के तहत संबंधित प्राधिकारी से अनुमति लेनी होगी। एडीसी ने बताया कि पंजीकृत कोचिंग सेंटरों के कामकाज की निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार समय-समय पर जांच एवं निगरानी की जाएगी। कोचिंग सेंटरों के विरुद्ध प्राप्त शिकायतों की जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

श्री ज्ञान चंद दिवाली जी यूके से तप अस्थान श्री खुरालगढ़ साहिब में माथा टेकने पहुंचे

पैग़ाम-ऐ-जगत/हरोली/ऊना
12 अक्तूबर (राजवीर चोपड़ा)

श्री ज्ञान चंद दिवाली जी यूनाइटेड किंगडम (यूके) से तप अस्थान श्री खुरालगढ़ साहिब में माथा टेकने पहुंचे। इस दौरान तप अस्थान श्री खुरालगढ़ साहिब में चल रही कार सेवा के संबंध में विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर बाबा केवल सिंह जी ने ज्ञान चंद दिवाली जी के साथ चर्चा की। साथ ही श्री गुरु रविदास महाराज जी के 650वें प्रकाश पर्व को समर्पित कार्यक्रमों की रूपरेखा



के संबंध में भी विचार-विमर्श हुआ। ज्ञान चंद दिवाली जी ने कहा कि तप अस्थान में चल रही कार सेवा के लिए विदेशों में रहने वाली संगतों से मिलकर सहयोग की अपील की जाएगी, ताकि गुरु घर की कार सेवा का कार्य और तेजी से आगे बढ़ सके। उन्होंने कहा कि गुरु घर की कार सेवा के लिए विदेशों में संगतों तक संदेश पहुंचाने के लिए वह हर समय तैयार हैं और संगतों को गुरु घर से जोड़ने का प्रयास करेंगे। इस अवसर पर सोशल मीडिया के माध्यम से वीडियो पोस्ट करके भी संगतों तक संदेश पहुंचाया गया। बाबा केवल सिंह जी ने ज्ञान चंद दिवाली जी को सिरोपा भेंट कर सम्मानित किया। इस मौके पर बाबा केवल सिंह, बाबा नरेश सिंह और बाबा सुखदेव सिंह उपस्थित थे।

पेज एक का शेष

'बंदी सिखों' की...

दिलाया कि राज्य सरकार जगतार सिंह हवारा की पैरोल के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

इस मुद्दे पर बोलते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, 'पंजाब सरकार पहले ही केंद्र सरकार और पंजाब के राज्यपाल को भरोसा दिला चुकी है कि अगर हवारा को अपनी बीमार मां से मिलने के लिए पैरोल दी जाती है, तो राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति बनाए रखी जाएगी।'

अफसोस जताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार के आश्वासन के बावजूद पैरोल नहीं दी गई। उन्होंने कहा, 'यह मामला अब केंद्र सरकार के अधिकार क्षेत्र में आता है। राज्य में कानून-व्यवस्था बनाए रखने की पूरी जिम्मेदारी पंजाब सरकार लेगी।' 'हमने इस मामले में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को भी आश्वासन दिया है, लेकिन केंद्र सरकार ने अभी तक पैरोल नहीं दी है।'

सिख संगठनों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, 'अगर जगतार सिंह हवारा को पैरोल दी जाती है-भले ही कुछ दिनों के लिए-तो यह इस बात का उदाहरण बनना चाहिए कि राज्य में शांति और सांप्रदायिक सद्भाव कैसे बनाए रखा जा सकता है।'

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, 'इससे अन्य *बंदी सिखों* (सिख कैदियों) की रिहाई का रास्ता भी साफ हो सकता है।' उन्होंने सिख संगठनों से शांतिपूर्वक और कानून के दायरे में रहकर अपना संघर्ष जारी रखने की अपील भी की। मुख्यमंत्री ने कहा, 'सरकार जेलों में बंद 'बंदी सिखों' (सिख कैदियों) की रिहाई के लिए सभी संभव कानूनी और संवैधानिक कदम उठाएगी, क्योंकि इसमें न्याय, मानवता और उन लोगों के अधिकारों का मामला शामिल है जो पहले ही लंबी जेल की सजा काट चुके हैं।' 'सरकार संवैधानिक और कानूनी ढांचे का पूरा सम्मान करते हुए संवेदनशीलता, जिम्मेदारी और न्याय के प्रति स्पष्ट प्रतिबद्धता के साथ इस मामले को सुलझाएगी।' मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, 'जब कानूनी तरीकों से न्याय दिलाने की बात आती है, तो, क्क सरकार मुश्किल लेकिन जरूरी कदम उठाने से पीछे नहीं हटेगी।' बैठक में मुख्य सचिव के.ए.पी. सिन्हा, एडवोकेट जनरल मनिंदरजीत सिंह बेदी, अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह मामले) आलोक शेखर, विशेष पुलिस महानिदेशक (कानून-व्यवस्था) पी.के. सिन्हा, प्रधान सचिव (जेल) भावना गर्ग, मुख्यमंत्री के विशेष प्रधान सचिव कुमार अमित और अन्य अधिकारी शामिल हुए।

सीबीआई द्वारा एफआईआर...

कोर्ट में याचिका दायर की गई थी।

कोर्ट ने निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने और सबूतों की अखंडता बनाए रखने के लिए उस चरण में एफआईआर अपलोड करने से छूट दे दी। कोर्ट द्वारा सर्च वारंट जारी किए जाने के बाद, सीबीआई टीमों ने 6 अक्टूबर 2026 को छापेमारी करने और चल रही जांच को आगे बढ़ाने के लिए 11 अलग-अलग जगहों का दौरा किया। सीबीआई की जांच खुली होने की वजह से, आरोपियों की पहचान और उनके ठिकाने सार्वजनिक हो गए और अलग-अलग मीडिया प्लैटफ़ॉर्म पर इसकी प्रमुखता से रिपोर्टिंग हुई। बताया गया कि छापेमारी के बाद 7 अक्टूबर, 2026 को एफआईआर अपलोड की गई थी और यह कार्रवाई अदालत की अवमानना ??नहीं थी; बल्कि, यह *यूथ बार एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया बनाम भारत संघ* मामले में सुप्रीम कोर्ट के फ़ैसले की भावना के अनुरूप थी। अदालत को बताया गया कि एफआईआर के गुप्त या अनधिकृत रूप से लीक होने का सवाल ही नहीं उठता; इसलिए, अदालत की अवमानना का कोई मामला नहीं बनता। एफआईआर तब अपलोड की गई जब सीबीआई छापेमारी कर चुकी थी और इसे तुरंत अपलोड न करने का मकसद पूरा हो चुका था। दलीलें सुनने के बाद, सीबीआई अदालत ने आरोपियों की अर्ज़ी खारिज कर दी।

होर्मुज़ जलडमरूमध्य...

स्थिति के और बिगड़ने का खतरा है। भारत ने तनाव को तुरंत कम करने और बातचीत व कूटनीति के माध्यम से चल रहे संघर्ष को सुलझाने की आवश्यकता को दोहराया। विदेश मंत्रालय ने कहा, 'कमर्शियल जहाजों, नाविकों और नागरिक बुनियादी ढांचे पर हमले तुरंत बंद होने चाहिए। अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार, जलमार्गों में नेविगेशन की स्वतंत्रता और समुद्री व्यापार की सुरक्षित व निर्बाध आवाजाही हर हाल में बनाए रखी जानी चाहिए।

कैंसर की दवाओं...

स्टेंट का उदाहरण देते हुए कोर्ट ने कहा कि भारत में बने स्टेंट की कीमत जहाँ लगभग 5,000 है, वहीं अस्पताल इसके लिए 25,000 से ज़्यादा वसूलते हैं।

आयुष्मान भारत योजना...

पुलिस ने एक मरीज के इलाज में कथित अनियमितताओं को लेकर पार्क अस्पताल के खिलाफ मामला दर्ज किया था। मामले की जांच के दौरान सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं के तहत अधिक लाभ लेने के लिए सहमति फॉर्म पर कथित तौर पर फर्जी हस्ताक्षर किए जाने की बात भी सामने आई थी। इन आरोपों की जांच के बीच अब ईडी की कार्रवाई की सूचना सामने आई है। ईडी आयुष्मान भारत योजना के तहत निजी अस्पतालों में कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच कर रही है। बठिंडा के पार्क अस्पताल में कार्रवाई का दायरा, जब्त किए गए दस्तावेजों या अन्य संभावित सबूतों के बारे में आधिकारिक जानकारी मिलने के बाद मामले की स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी।

ईडी ने लुधियाना की...

करने के लिए भारी रकम के बदले फर्जी फोरेंसिक रिपोर्ट तैयार की गई थीं। गुरुग्राम पुलिस इस मामले में दो आरोपियों, अरुण महिंद्रू और अंकित, को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। उन पर आरोप है कि उन्होंने किसी मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला की भागीदारी के बिना फर्जी साइबर जांच रिपोर्ट तैयार कीं।

प्रवर्तन निदेशालय द्वारा पुलिस कमिश्नर स्वप्ना शर्मा को समन भेजे जाने के बाद पंजाब के राजनीतिक हलकों में हलचल मच गई है। विपक्षी दल राज्य सरकार और इसमें शामिल अधिकारियों पर तीखे हमले कर रहे हैं और मामले में मिलीभगत का आरोप लगा रहे हैं।

रिटेल महंगाई लगातार...

शहरी क्षेत्रों में महंगाई दर 4.88% दर्ज की गई, जो पिछले महीने 4.31% थी। खाद्य और ईंधन का असर: एल नीनो परिस्थितियों, कम बारिश (डेफिशिएंट मानसून) और वैश्विक बाजार में महंगे कच्चे तेल ने आयातित मुद्रास्फीति का दबाव बढ़ा दिया है।

केरल में मिनी...

पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान 21 वर्षीय इयास, देविका और गोपिका के रूप में हुई है। रिपोर्टों से पता चलता है कि तीनों एक ही स्कूटर पर सवार थे, तभी तेज़ रफ़्तार मिनी कूपर ने उन्हें पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी ज़ोरदार थी कि तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद पुलिस मौके पर पहुँची, आरोपी ड्राइवर सुहेल साजीव को हिरासत में लिया और कार को ज़ब्त कर लिया। सूत्रों से पता चला है कि पुलिस इस बात की भी जाँच कर रही है कि क्या हादसे के समय ड्राइवर शराब के नशे में था। आरोपी ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस हादसे के कारणों और घटनाक्रम की विस्तृत जाँच कर रही है।

संपादक-दविंदर कुमार प्रिंटर, इंप्रेशन प्रिंटिंग एंड पैकिंग लिमिटेड, प्लॉट 22 और 49 जीएफ, इंडस्ट्री एरिया, फेज-2 पंचकुला (हरियाणा) से प्रकाशित Title code : CHAMUL00914
Editor-Davinder Kumar printed at Impression Printing & Packaging Ltd.Plot 22 & 49GF, Industrial Area, Phase-2 Panchkula(Haryana)-134115

नाबालिग से जुड़े मामले में एससी-एसटी एक्ट की धाराएं जोड़ने की मांग, आयोग अध्यक्ष ने पुलिस अधीक्षक को उचित कार्रवाई के लिए कहा

ऊना, 12 अक्तूबर (पैग़ाम-ऐ-जगत)

- **राज्य अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री कुलदीप कुमार को प्रतिनिधिमंडल ने सौंपा मांग पत्र**



हिमाचल प्रदेश राज्य अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री कुलदीप कुमार ने ऊना जिले के बंगाणा थाने में दर्ज नाबालिग से जुड़े एक मामले में पुलिस अधीक्षक ऊना को त्वरित एवं निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा है। उन्होंने मामले के तथ्यों और लागू कानूनी प्रावधानों के अनुरूप उचित कार्रवाई करने पर जोर दिया।

सोमवार को ऊना जिले के अनुसूचित जाति समुदाय से जुड़े लोगों के एक प्रतिनिधिमंडल ने आयोग अध्यक्ष कुलदीप कुमार से मुलाकात कर उन्हें मांग पत्र सौंपा। इस दौरान आयोग के सदस्य एवं अधिवक्ता डॉ. विजय डोगरा भी उपस्थित रहे। मांग पत्र में शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि उनकी नाबालिग बेटी से संबंधित मामले में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम (एससी-एसटी एक्ट) के प्रासंगिक प्रावधान शामिल नहीं किए गए हैं। शिकायतकर्ता के अनुसार, पुलिस के समक्ष बयान दर्ज करवाते समय नाबालिग ने अपनी जाति का उल्लेख किया था। शिकायतकर्ता ने मामले के तथ्यों के आधार पर अधिनियम के उपयुक्त प्रावधान जोड़ने की मांग की है। मांग पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि मामले में पॉक्सो एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज है। प्रतिनिधिमंडल ने मामले में लागू कानूनी प्रावधानों के अनुरूप कार्रवाई करने का आग्रह किया। प्रतिनिधिमंडल की बात सुनने के बाद आयोग अध्यक्ष कुलदीप कुमार ने पुलिस अधीक्षक ऊना को मामले के तथ्यों और लागू कानूनी प्रावधानों के अनुरूप त्वरित एवं निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा।

मैक्स हॉस्पिटल ने सिरसा में न्यूरोलॉजी ओपीडी की शुरुआत की

सिरसा, (पैग़ाम-ऐ-जगत)

सिरसा और आसपास के क्षेत्रों के मरीजों को उन्नत न्यूरोलॉजी परामर्श की सुविधा उनके नजदीक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, मोहाली ने मंगलवार को मेडिसिटी हॉस्पिटल, सिरसा में अपनी न्यूरोलॉजी ओपीडी शुरू करने की घोषणा की।

इस पहल के तहत मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, मोहाली में न्यूरोलॉजी विभाग के एसोसिएट डायरेक्टर डॉ. सावन कुमार वर्मा प्रत्येक महीने के तीसरे गुरुवार को सुबह 11:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक उपलब्ध रहेंगे। इस दौरान मरीज प्राथमिक परामर्श, विशेषज्ञ चिकित्सा मूल्यांकन और फॉलो-अप परामर्श की सुविधा प्राप्त कर सकेंगे।

विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं को स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराने के महत्व पर प्रकाश डालते हुए डॉ. सावन कुमार वर्मा ने कहा, 'न्यूरोलॉजिकल बीमारियों में समय पर जांच, उचित उपचार योजना और नियमित फॉलो-अप बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। सिरसा में इस ओपीडी की शुरुआत के माध्यम से हमारा उद्देश्य मरीजों को उनके घर के नजदीक विशेषज्ञ न्यूरोलॉजी परामर्श उपलब्ध कराना है। इससे मरीजों को बीमारी के शुरुआती चरण में ही विशेषज्ञ चिकित्सकीय सलाह लेने और उचित उपचार के बारे में मार्गदर्शन प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।

मैहतपुर से बंगढ़ वाया भभौर साहिब सड़क 10 दिनों तक रहेगी बंद, यातायात बंगढ़-नंगड़ा रोड घलोर चौक पर डायवर्ट

ऊना, 12 अक्तूबर (पैग़ाम-ऐ-जगत)



उपमंडल ऊना के तहत मैहतपुर से बंगढ़ वाया भभौर साहिब (किलोमीटर 0/0 से 3/0) सड़क मार्ग 13 से 22 अक्तूबर तक यातायात के लिए अस्थायी रूप से बंद रहेगा। इस दौरान यातायात बंगढ़-नंगड़ा रोड के घलोर चौक पर डायवर्ट रहेगा। उपायुक्त ऊना जतिन लाल ने इस संबंध में मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 115 और 116 के तहत आदेश जारी किए हैं।

उपायुक्त ने बताया कि संबंधित सड़क मार्ग पर आवश्यक निर्माण कार्य को शीघ्र और सुचारू रूप से पूरा करने के उद्देश्य से ये आदेश जारी किए गए हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सड़क बंद होने के बारे में जनता को सूचित करने और यातायात के वैकल्पिक मार्ग की जानकारी देने के लिए अग्रिम सूचना बोर्ड लगाने के निर्देश दिए हैं।

तप अस्थान श्री खुरालगढ़ साहिब में बट्टियां ब्राह्मणां की संगत ने माथा टेका



पैग़ाम-ऐ-जगत
हरोली/ऊना, 12 अक्तूबर (राजवीर चोपड़ा)

श्री गुरु रविदास ऐतिहासिक धर्म स्थल श्री खुरालगढ़ साहिब में गांव बट्टियां ब्राह्मणां की संगत माथा टेकने पहुंची। इस संगत का नेतृत्व गांव की सरपंच श्रीमती सविता जी और पंच मेघराज जी ने किया। बड़ी संख्या में संगत ने उपस्थिति दर्ज करवाई, गुरु पातशाह जी के दर्शन किए और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर गुरु घर के मुख्य सेवादार बाबा केवल सिंह ने संगत को गुर इतिहास और गुरबाणी विचारों से जोड़ा। संगत ने गुरु घर में माथा टेकने के बाद गुरु घर की कार सेवा में योगदान दिया। इसके उपरांत सरपंच सविता जी और पंच मेघराज जी को सिरोपा भेंट कर सम्मानित किया गया। इस मौके पर मुख्य सेवादार बाबा केवल सिंह, बाबा नरेश सिंह, बाबा सुखदेव सिंह, बाबा जागीर सिंह और गगनदीप सिंह उपस्थित थे।

वाहन पंजीकरण नंबरों की ई-नीलामी से 2.97 करोड़ रुपये का राजस्व; सीएच01-डीजी-0001 के लिए लगी 21.31 लाख रुपये की बोली

पैग़ाम-ऐ-जगत
चंडीगढ़, 12 अक्टूबर, (हरमिंदर नागपाल)

जीकरण एवं लाइसेंसिंग प्राधिकरण, यू.टी. चंडीगढ़ के कार्यालय ने 10 से 12 अक्टूबर, 2026 तक नई श्रृंखला 'सीएच01-डीजी' के 0001 से 9999 तक के आकर्षक एवं पसंदीदा वाहन पंजीकरण नंबरों के साथ-साथ पिछली श्रृंखलाओं के शेष आकर्षक एवं विशेष पंजीकरण नंबरों की ई-नीलामी आयोजित की। ई-नीलामी में कुल 527 पंजीकरण नंबरों की नीलामी हुई, जिससे 2,97,56,000 रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। पंजीकरण नंबर 'सीएच01-डीजी-0001' के लिए सर्वाधिक 21,31,000 रुपये की बोली लगी, जबकि 'सीएच01-डीजी-007' के लिए दूसरी सबसे अधिक 11,71,000 रुपये की बोली प्राप्त हुई।

S No	Registration No.	Auction Amount
1	CH01DG0001	2131000
2	CH01DG0007	1171000
3	CH01DG0009	1090000
4	CH01DG0003	870000
5	CH01DG0002	827000
6	CH01DG0005	739000
7	CH01DG0008	601000
8	CH01DG0004	525000
9	CH01DG0010	521000
10	CH01DG0011	516000

शिरोमणि कमेटी द्वारा गुरुद्वारा गुरु नानक घाट उज्जैन में गुरमत समागम

पैग़ाम-ऐ-जगत/अमृतसर
12 अक्टूबर (हरमिंदर नागपाल)

- **सचिव बलविंदर सिंह काहलों के नेतृत्व में शिरोमणि कमेटी के प्रतिनिधिमंडल ने संगत की सुविधा के लिए किए जा रहे कार्यों का जायजा लिया**



शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा मध्य प्रदेश के ऐतिहासिक शहर उज्जैन स्थित श्री गुरु नानक देव जी की चरण स्पर्श प्राप्त पवित्र ऐतिहासिक गुरुद्वारा गुरु नानक घाट साहिब में गुरमत समागम का आयोजन किया गया। इस समागम में शिरोमणि कमेटी के सचिव स. बलविंदर सिंह काहलों, उप सचिव स. हरभजन सिंह वक्ता, श्री दरबार साहिब के प्रबंधक स. रजिंदर सिंह रूबी और बाबा सुखविंदर सिंह कार सेवा भूरी वाले सहित प्रमुख हस्तियों और बड़ी संख्या में संगत ने भाग लिया।

इस दौरान उपस्थित संगत को संबोधित करते हुए शिरोमणि कमेटी के सचिव स. बलविंदर सिंह काहलों ने कहा कि गुरुद्वारा गुरु नानक घाट साहिब ऐतिहासिक और धार्मिक दृष्टि से विशेष महत्व रखता है। इस ऐतिहासिक स्थल के प्रबंध सचखंड श्री हरमंदिर साहिब, श्री दरबार साहिब के प्रबंधन के अंतर्गत चलाए जा रहे हैं। संगत की सुविधा के लिए आवास के साथ-साथ अन्य आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु बड़े पैमाने पर कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिरोमणि कमेटी के अध्यक्ष एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी के निर्देशों के अनुसार इस क्षेत्र में धर्म प्रचार के कार्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से चलाने के उद्देश्य से धर्म प्रचार कमेटी द्वारा सिख मिशन को और अधिक मजबूत किया जाएगा। इसके माध्यम से प्रचारक, ढाडी और कविसर जत्थे संगत को सिख इतिहास और विरासत से जोड़ने का प्रयास करेंगे। उन्होंने संगत से इसी प्रकार सहयोग बनाए रखने की अपील की।

सचिव स. बलविंदर सिंह काहलों के नेतृत्व में शिरोमणि कमेटी के अधिकारियों ने संगत की सुविधा, आवास और अन्य चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण भी किया। इस अवसर पर स्थानीय सिख संगत ने शिरोमणि कमेटी द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि सिखों की सर्वोच्च संस्था द्वारा किए जा रहे इन प्रयासों से पूरे समाज को बड़ा सम्मान और संबल मिलता है।

समागम के दौरान रागी जत्थों ने गुरबाणी कीर्तन किया और ढाडी व कविसर जत्थों ने संगत को सिख इतिहास से जोड़ा।

समागम के दौरान रागी, ढाडी और कविसर जत्थों ने गुरबाणी एवं गुरमत विचारों के माध्यम से संगत को गुरु साहिबान द्वारा दर्शाए गए मार्ग-सर्वमंथ के भले (सरबत दा भला), आपसी मेल-मिलाप, सेवा, सिमरन और मानवीय एकता के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर स. हरपाल सिंह भाटिया (अध्यक्ष केंद्रीय श्री गुरु सिंह सभा इंदौर, मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़), स. चरनजीत सिंह कालरा, ग्रंथी सिंह ज्ञानी सुरजीत सिंह, बाबा त्रिलोचन सिंह, स. इकबाल सिंह गांधी, स. मनजीत सिंह डंग, एस.एस. नारंग, बीबी अलका अरोड़ा, शिरोमणि कमेटी के एक्सियन स. जतिंदरपाल सिंह, स. सुखजिंदर सिंह, स. सुरजीत सिंह डंग, स. राजविंदर सिंह ठुकराल, डॉ. बलबीर सिंह मक्कड़, बीबी सतनाम कौर, स. सतनाम सिंह गांधी सहित इंदौर और उज्जैन की बड़ी संख्या में संगत उपस्थित थी।

किसानों को फसल बेचते समय कोई परेशानी नहीं आनी चाहिए : ओ.पी. सिहाग

पैग़ाम-ऐ-जगत
हरियाणा/पंचकूला (दिनकर गावड़ी)

- **जजपा पंचकूला नेताओं ने किया पंचकूला अनाज मंडी का दौरा**



जजपा पार्टी के शीर्ष नेताओं के निर्देशों अनुसार ज़िला पंचकूला के ज़िला अध्यक्ष ओ पी सिहाग की अगुवाई में जजपा के वरिष्ठ पदाधिकारियों प्रदेश महासचिव हरबंस सिंगला, महिला इकाई की प्रदेश प्रभारी डॉ किरण पूनिया, किसान प्रकोष्ठ के ज़िला प्रधान गुरदेव सिंह, युवा जजपा ज़िला अध्यक्ष दीपक चौधरी, पंचकूला हल्का अध्यक्ष राजेश निषाद, वरिष्ठ नेता अशोक सिंगला, रणधीर पंवार, भीम सिंह पंवार , सतविंदर सत्ता, अभिषेक वाल्मीकि आदि ने पंचकूला अनाज मंडी का दौरा किया । जजपा पदाधिकारियों ने अनाज मंडी में किसानो, आढ़तियों तथा मजदूरों से उनको आ रही दिक्कतों एवं किसानों से अपनी फ़सल बेचने को लेकर किसी भी प्रकार की समस्याओ बारे चर्चा की ।जजपा नेताओं ने प्रदेश सरकार से मांग की कि मंडी में किसानो की धान की फ़सल एवं अन्य फसलों को समय पर खरीदा जाए,उनकी फसल की अदायगी तुरंत की जाए तथा पूरा मूल्य दिया जाए। इस अवसर पर जजपा ज़िला अध्यक्ष ओ पी सिहाग ने मार्केट कमेटी पंचकूला के सचिव से मंडी में किसानो एवं मजदूरों के लिए अच्छी नागरिक सुविधाओं की व्यवस्था करने बारे बात की।

पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय,तितरम (कैथल) के 60 विद्यार्थियों ने किया लुवास का शैक्षणिक भ्रमण

पैग़ाम-ऐ-जगत
हिसार (दिनकर गावड़ी)



पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, तितरम (कैथल) के 60 विद्यार्थियों ने लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास), हिसार का शैक्षणिक भ्रमण किया। पीएम श्री गतिविधि 'एक्सपोजर विजिट' के अंतर्गत आयोजित इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को पशु चिकित्सा विज्ञान, पशु स्वास्थ्य देखभाल एवं जनस्वास्थ्य के विभिन्न पहलुओं की व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना था। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) विनोद कुमार वर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित इस भ्रमण के माध्यम से विद्यार्थियों को पशु चिकित्सा एवं पशुपालन शिक्षा के क्षेत्र में उपलब्ध शैक्षणिक एवं अनुसंधान गतिविधियों से परिचित करवाया गया।

विश्वविद्यालय पहुंचने पर विद्यार्थियों एवं उनके साथ आए विद्यालय के शिक्षण तथा गैर-शिक्षण कर्मचारियों का स्वागत पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अनीश यादव तथा पशु चिकित्सा सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. अनीता दलाल ने किया।

भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय के पशु चिकित्सा नैदानिक परिसर (वेटरनरी क्लिनिकल कॉम्प्लेक्स) का दौरा किया और इसकी कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने विभिन्न चिकित्सीय इकाइयों का अवलोकन किया तथा जाना कि छोटे एवं बड़े पशुओं की जांच, रोगों का निदान और उपचार किस प्रकार किया जाता है। इस दौरान उन्हें पशुओं की उचित देखभाल, पशु कल्याण तथा पशुओं के स्वास्थ्य संरक्षण में पशु चिकित्सकों की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में भी बताया गया।

विद्यार्थियों ने महाविद्यालय की केंद्रीय प्रयोगशाला सहित पशु चिकित्सा सूक्ष्मजीव विज्ञान, पशु जैव प्रौद्योगिकी, पशु परजीवी विज्ञान, पशु चिकित्सा जनस्वास्थ्य एवं महामारी विज्ञान, पशु रोग विज्ञान तथा पशु औषध विज्ञान विभागों का भी भ्रमण किया। इन विभागों में विद्यार्थियों को प्रयोगशाला जांच, रोग निदान, वैज्ञानिक अनुसंधान तथा पशु एवं मानव स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न विषयों की जानकारी दी गई। इस अनुभव से उन्हें पशु चिकित्सा विज्ञान के व्यावहारिक पक्षों और इस क्षेत्र में अनुसंधान की उपयोगिता को समझने का अवसर मिला। भ्रमण के दौरान पशुओं से मनुष्यों में फैलने वाले रोगों, विशेषकर ब्रुसेलोसिस एवं तपेदिक (टीबी), के बारे में विशेष रूप से जागरूक किया गया। विद्यार्थियों को बताया गया कि स्वच्छता, सुरक्षित खाद्य पदार्थों का सेवन तथा स्वच्छ पेयजल का उपयोग अनेक बीमारियों की रोकथाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्हें दूध को उबालकर अथवा उचित पाश्चुरीकरण के बाद ही सेवन करने के महत्व से भी अवगत करवाया गया। साथ ही, विद्यार्थियों को प्रेरित किया गया कि वे अपने परिवारों एवं समुदायों में भी सुरक्षित खाद्य पदार्थों, स्वच्छता और रोगों की रोकथाम से संबंधित जागरूकता संदेश पहुंचाएं। डॉ. अनीता दलाल ने पूरे शैक्षणिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया तथा पशु कल्याण, जनस्वास्थ्य और संक्रामक रोगों की रोकथाम में पशु चिकित्सा विज्ञान की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने पशु स्वास्थ्य एवं मानव स्वास्थ्य के बीच आपसी संबंध को समझने तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने के महत्व पर भी जोर दिया। यह शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक एवं उपयोगी रहा। इससे उन्हें पशु चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करने के साथ-साथ पशुओं के प्रति संवेदनशीलता, जिम्मेदार पशु देखभाल, रोगों की रोकथाम और पशु, मानव एवं पर्यावरणीय स्वास्थ्य के आपसी संबंधों को समझने का अवसर मिला।

नशा तस्करों पर कसें शिकंजा, कार्रवाई में लाएं तेजी : एसपी हांसी विनोद कुमार

पैग़ाम-ऐ-जगत
हांसी (दिनकर गावड़ी)

- **नशा तस्करी के हॉटस्पॉट चिह्नित कर नियमित सर्च अभियान चलाने, संदिग्धों पर निगरानी रखने और सूचना मिलते ही त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश**



पुलिस अधीक्षक हांसी विनोद कुमार ने आज अपने कार्यालय में पुलिस अधिकारियों की बैठक लेकर नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान की समीक्षा की तथा नशा तस्करों के विरुद्ध कार्रवाई को और अधिक प्रभावी एवं तेज करने के सख्त निर्देश दिए।

बैठक में एसपी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि नशा तस्करी के संभावित क्षेत्रों एवं हॉटस्पॉट की पहचान कर वहां नियमित रूप से सर्च अभियान चलाया जाए। नशे के अवैध कारोबार में संलिप्त व्यक्तियों की पहचान कर उनके नेटवर्क, संपर्कों और नशे की सप्लाई से जुड़े पहलुओं की गहनता से जांच की जाए। नशा तस्करी से संबंधित सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपियों के खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कदम उठाए जाएं।

एसपी ने सभी थाना प्रभारियों एवं चौकी प्रभारियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्र में पुलिस गश्त बढ़ाएं और संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर रखें। नशा तस्करी से संबंधित शिकायतों एवं सूचनाओं को गंभीरता से लेते हुए उनका समयबद्ध निपटान सुनिश्चित करें।

साथ ही, नशा तस्करी के मामलों में गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध नियमानुसार प्रभावी कानूनी कार्रवाई की जाए तथा जांच के दौरान नशे की सप्लाई चेन और अन्य संलिप्त व्यक्तियों की भूमिका का भी पता लगाया जाए।

उन्होंने निर्देश दिए कि नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियानों की नियमित समीक्षा की जाए और प्रत्येक थाना एवं चौकी स्तर पर कार्रवाई की प्रगति पर निगरानी रखी जाए। अभियान में किसी भी प्रकार की ढिलाई या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पुलिस अधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए नशा तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए ठोस कदम उठाएं।

एसपी ने नशे के दुष्प्रभावों के प्रति आमजन को जागरूक करने, युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करने तथा नशा तस्करी से संबंधित विश्वसनीय सूचनाएं पुलिस तक पहुंचाने के लिए जनता के साथ बेहतर तालमेल स्थापित करने पर भी जोर दिया। बैठक में डीएसपी दिनेश कुमार थाना शहर हांसी प्रभारी निरीक्षक सुखजीत सिंह तथा थाना शहर हांसी के सभी चौकी प्रभारी उपस्थित रहे।

एसडीएम राजेश खोथ व मंडल अधीक्षक अनिल कुमार रोज ने राखीगढ़ी की ऐतिहासिक विरासत पर किया विशेष आवरण जारी

पैग़ाम-ऐ-जगत
हांसी (दिनकर गावड़ी)



राष्ट्रीय डाक सप्ताह (9 से 15 अक्टूबर) के अंतर्गत फिलेटली दिवस के अवसर पर सोमवार को स्थानीय मुख्य डाकघर में हरियाणा की ऐतिहासिक धरोहर राखीगढ़ी में पर विशेष आवरण जारी किया गया। कार्यक्रम में एसडीएम राजेश खोथ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। डाकघर मंडल अधीक्षक अनिल कुमार रोज तथा एसडीएम राजेश खोथ ने राखीगढ़ी की ऐतिहासिक विरासत को समर्पित विशेष आवरण जारी किया। इस अवसर पर सहायक अधीक्षक डाकघर, मनदीप कुमार सहित डाक विभाग के अन्य अधिकारी तथा कर्मचारी अधिकारी मौजूद रहे।

कार्यक्रम के दौरान डाक विभाग की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी गई। विशेष रूप से बेटियों के भविष्य को सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से संचालित सुकन्या समृद्धि खाता योजना के महत्व पर प्रकाश डाला गया। अभिभावकों से आह्वान किया गया कि वे अपनी बेटियों के नाम पर इस योजना में खाता खुलवाकर नियमित बचत करें, ताकि भविष्य में उनकी उच्च शिक्षा और विवाह जैसे महत्वपूर्ण खर्चों के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध हो सके।

एसडीएम राजेश खोथ ने कहा कि राखीगढ़ी हांसी जिला में स्थित सिंधु घाटी सभ्यता के प्रमुख पुरातात्विक स्थलों में से एक है। यह स्थल प्राचीन हड़प्पा सभ्यता के नगरीय विकास, सामाजिक जीवन, शिल्पकला और सांस्कृतिक परंपराओं की महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करता है। यहां पुरातात्त्विक उत्खनन के दौरान प्राचीन भवनों, मिट्टी के बर्तनों, मुहरों और अन्य पुरावशेषों के अवशेष मिले हैं, जो इस क्षेत्र की समृद्ध ऐतिहासिक विरासत को उजागर करते हैं।

एसडीएम राजेश खोथ ने आगे कहा कि राखीगढ़ी पर विशेष आवरण जारी करने की पहल के माध्यम से इस ऐतिहासिक स्थल को डाक टिकट संग्रह और डाक विभाग के माध्यम से व्यापक पहचान मिलेगी। विशेष आवरण किसी महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थल, सांस्कृतिक धरोहर या विशिष्ट उपलब्धि को सम्मान देने के साथ-साथ उसके बारे में जन-जागरूकता बढ़ाने का प्रभावी माध्यम हैं। इस तरह की पहल से युवा पीढ़ी में भारतीय इतिहास, पुरातत्व और सांस्कृतिक विरासत के प्रति रुचि बढ़ाने में भी मदद मिलेगी।

कार्यक्रम में सुकन्या समृद्धि खाता योजना के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया गया कि भारत सरकार की यह योजना विशेष रूप से बालिकाओं के उज्ज्वल भविष्य, शिक्षा और विवाह संबंधी आवश्यकताओं के लिए बचत को प्रोत्साहित करती है। अभिभावक अपनी बेटी के जन्म से लेकर 10 वर्ष की आयु तक उसका खाता खुलवा सकते हैं। इस खाते को मात्र 250 रुपए की न्यूनतम शुरुआती जमा राशि से खोला जा सकता है। योजना में न्यूनतम 250 रुपए और अधिकतम 1.50 लाख रुपए प्रतिवर्ष जमा किए जा सकते हैं। योजना के अंतर्गत जमा राशि पर सरकार द्वारा निर्धारित ब्याज दर के अनुसार ब्याज मिलता है और ब्याज चक्रवृद्धि आधार पर जुड़ता है। योजना की परिपक्वता अवधि खाता खोलने की तारीख से 21 वर्ष है। बेटी के 18 वर्ष की आयु पूरी करने पर उच्च शिक्षा के लिए निर्धारित नियमों के अनुसार खाते में जमा राशि का 50 प्रतिशत तक निकालने की सुविधा भी उपलब्ध है। योजना में निवेश, अर्जित ब्याज और पात्र निकासी पर आयकर अधिनियम की धारा 80सी सहित लागू प्रावधानों के अनुसार कर लाभ मिलता है।

जिले में मतदाता सूचियों का अंतिम प्रकाशन, मतदाता अपना नाम सूची में जरूर जांचें : आशिका जैन

योग्य नागरिकों को मतदाता सूची में नाम दर्ज करवाने के लिए फॉर्म नंबर 6 भरने की अपील

पैग़ाम-ऐ-जगत
होशियारपुर (दलजीत अजनोहा)



डिप्टी कमिश्नर-कम-जिला निर्वाचन अधिकारी आशिका जैन ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग की ओर से निर्धारित योग्यता तिथि 1 अक्टूबर 2026 के आधार पर मतदाता सूचियों की विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया (एसआईआर) के तहत आज 12 अक्टूबर 2026 को जिले की मतदाता सूचियों का अंतिम प्रकाशन किया जा रहा है। इस दौरान उन्होंने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक भी की। उन्होंने बताया कि मतदाता सूचियों का ड्राफ्ट प्रकाशन 13 अगस्त 2026 को किया गया था। इस दौरान जिले में उपस्थित विभिन्न राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों से अपील की गई थी कि वे अपने बूथ लेवल एजेंटों (बीएलए) के माध्यम से योग्य नागरिकों के नाम मतदाता सूची में शामिल करवाने के लिए बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को अधिक से अधिक सहयोग दें। दावों एवं आपत्तियों के निपटारे की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब अंतिम मतदाता सूचियां प्रकाशित की जा रही हैं। डिप्टी कमिश्नर ने बताया कि जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों के चुनाव रजिस्ट्रेशन अधिकारियों की ओर से बीएलओ के माध्यम से मतदाता सूचियों का अंतिम प्रकाशन करवाया जा रहा है।

नागरिक अपनी वोट की जांच संबंधित बीएलओ, अपने विधानसभा क्षेत्र के चुनाव रजिस्ट्रेशन अधिकारी के कार्यालय या जिला चुनाव कार्यालय में जाकर कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त ई.सी.आई.एन.ई.टी एप तथा मुख्य निर्वाचन अधिकारी, पंजाब की वेबसाइट www.ceopunjab.gov.in के माध्यम से भी मतदाता सूची में अपना नाम जांचा जा सकता है।

उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची में नाम दर्ज करवाने के लिए वर्ष में चार योग्यता तिथियां निर्धारित की हैं, जिनमें 1 जनवरी, 1 अप्रैल, 1 जुलाई और 1 अक्टूबर शामिल हैं। इन तिथियों में से किसी भी तिथि को 18 वर्ष या इससे अधिक आयु पूरी करने वाले योग्य नागरिक अपना नाम मतदाता सूची में शामिल करवाने के लिए फॉर्म नंबर 6 भरकर आवेदन कर सकते हैं।

'पैगाम-ए-जगत' में प्रकाशित सामग्री और अन्य विवादों से संबंधित मामलों का निपटारा केवल मोहाली (चंडीगढ़) न्यायालय में ही किया जाएगा। यह आवश्यक नहीं है कि संपादक लेखकों की राय से सहमत हो। -संपादक, पैगाम-ए-जगत

विधायक ज़िम्पा ने सरकारी एलिमेंट्री स्कूल कमालपुर में वाटर कूलर और वाटर प्यूरीफायर भेंट किए

पैग़ाम-ऐ-जगत
होशियारपुर (दलजीत अजनोहा)

विधायक ब्रम शंकर ज़िम्पा की ओर से सरकारी एलिमेंट्री स्कूल कमालपुर में विद्यार्थियों को स्वच्छ पेयजल की सुविधा उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से वाटर कूलर



- **बच्चों को स्वच्छ पेयजल और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाना प्राथमिकता**

और वाटर प्यूरीफायर भेंट किए गए। उन्होंने कहा कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों को साफ और सुरक्षित पीने का पानी उपलब्ध करवाना तथा उनके लिए बेहतर शैक्षणिक वातावरण तैयार करने में सहयोग देना है। विधायक ब्रम शंकर ज़िम्पा ने कहा कि इस पहल के माध्यम से विद्यार्थियों को स्वच्छ पेयजल की सुविधा मिलेगी, जिससे उनके स्वास्थ्य और दैनिक जरूरतों का ध्यान रखने में मदद मिलेगी। बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा और बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए समाज के विभिन्न वर्गों द्वारा किए जाने वाले ऐसे प्रयास महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ज़िम्पा ने कहा कि स्कूलों में स्वच्छ पेयजल जैसी आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता विद्यार्थियों के स्वस्थ विकास और पढ़ाई के अनुकूल वातावरण के लिए जरूरी है। स्कूल प्रबंधन ने कहा कि इस प्रकार के प्रयास बच्चों के हितों को प्राथमिकता देने और स्कूलों में सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में सहयोग प्रदान करते हैं। इस अवसर पर पार्षद अंजना बरमी, कश्मीर सिंह, पार्षद नीलम रानी, मलकीत सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

कल हरखोवाल में मुख्यमंत्री भगवंत मान करेंगे प्रदेश को 154 और नए आम आदमी क्लीनिक समर्पित

पैग़ाम-ऐ-जगत
होशियारपुर (दलजीत अजनोहा)

मुख्यमंत्री पंजाब भगवंत सिंह मान की ओर से 14 अक्तूबर को विधानसभा हलका चब्बेवाल के गांव हरखोवाल में राज्य स्तरीय समागम के दौरान पंजाब में नए खोले जा रहे 154 और नए आम आदमी क्लीनिक प्रदेश वासियों को समर्पित करेंगे। इस समागम को सफलतापूर्वक संपन्न करवाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा तैयारियां की जा रही हैं।

- **विधायक डॉ. ईशांक व डिप्टी कमिश्नर आशिका जैन ने समागम स्थल पर अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों का लिया जायजा**



इसी संबंध में सोमवार हलका विधायक डॉ. ईशांक कुमार की मौजूदगी में डिप्टी कमिश्नर आशिका जैन ने आज समागम स्थल का दौरा किया और विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि समागम के प्रबंध समय पर पूरे किए जाएं और प्रत्येक विभाग अपनी जिम्मेदारी पूरी गंभीरता एवं आपसी तालमेल के साथ निभाए। विधायक डॉ. ईशांक कुमार व डिप्टी कमिश्नर ने समागम स्थल पर साफ-सफाई, बैठने की व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, पार्किंग, सुरक्षा, पेयजल, बिजली तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं सहित सभी व्यवस्थाओं को सुचारू बनाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि समागम में पहुंचने वाले लोगों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए और सभी प्रबंध व्यवस्थित ढंग से किए जाएं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यक्रम से संबंधित सभी तैयारियों की नियमित निगरानी की जाए तथा यदि किसी स्तर पर कोई कमी सामने आती है तो उसे समय रहते दूर किया जाए। उन्होंने कहा कि राज्य स्तरीय कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न करवाने के लिए सभी विभागों का आपसी तालमेल और जिम्मेदारी के साथ कार्य करना बेहद जरूरी है। डिप्टी कमिश्नर ने कहा कि आम आदमी क्लीनिक पंजाब सरकार की स्वास्थ्य सेवाओं को आम लोगों तक सुलभ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल हैं।

इन क्लीनिकों के माध्यम से लोगों को उनके नजदीक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (विकास) राकेश कुमार मीणा, सहायक कमिश्नर (ज) डॉ. सुमित मुध, एसपी संदीप सिंह, एसडीएम परमप्रीत सिंह, आरटीओ अमनदीप कौर घुम्मण, अधिक सहायक कमिश्नर गुरकंवल सिंह, गुरप्रीत कौर, सिविल सर्जन डॉ. मंदीप कंवल, ज़िला टीकाकरण अधिकारी डॉ. सीमा गर्ग के अलावा विभागों के अधिकारी भी उपस्थित थे।

महाराजा अग्रसेन जयंती पर 18 कुण्डीय हवन-यज्ञ एवं महा आरती का आयोजन

पैग़ाम-ऐ-जगत
हांसी (दिनकर गावड़ी)

महाराजा अग्रसेन जयंती के अवसर पर अग्रबन्धु परिषद की ओर से रविवार को श्री वैश्य पंचायती धर्मशाला, बड़सी गेट के अंदर, हांसी में 18 कुण्डीय हवन-यज्ञ एवं महा आरती



- **36 अग्रबन्धु पत्नी संग हुए हवन में शामिल, इसके साथ साथ सैकड़ों अन्य श्रद्धालु भी रहे उपस्थित**

का आयोजन किया गया। धार्मिक अनुष्ठान में 36 व्यक्तियों ने सपत्नीक हवन-यज्ञ में भाग लिया। इनके अलावा काफी संख्या में श्रद्धालु भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

हवन-यज्ञ के दौरान वैदिक मंत्रोच्चार के बीच आहुतियां अर्पित कर समाज की सुख-समृद्धि, खुशहाली एवं कल्याण की कामना की गई। इसके पश्चात महा आरती हुई, जिसमें श्रद्धालुओं ने भाग लेकर महाराजा अग्रसेन के आदर्शों को नमन किया। पूरा वातावरण भक्तिमय रहा। कार्यक्रम की शुरुआत रमेश गुप्ता खरड़िया ने पत्नी शंकुतला सहित पूर्ण विधि विधान से पूजा अर्चना कर की। कार्यक्रम की अध्यक्षता अग्रबन्धु परिषद के अध्यक्ष एडवोकेट धर्मवीर रतेरिया ने की। कार्यक्रम के आयोजन में संस्था के संरक्षक कमलेश गर्ग, प्रवीण बंसल, संयोजक के तौर पर रजत अग्रवाल, मिथुन बंसल, विजय बंसल, अरुण आर्य, दिनेश गोयल व निशांत जिंदल सहित अग्रबन्धु परिषद के पदाधिकारियों एवं सदस्यों का सहयोग रहा।

वरिष्ठ भाजपा नेता अशोक कन्नौजिया के पिता स्वर्गीय बनी सिंह कन्नौजिया को भावभीनी श्रद्धांजलि, रस्म पगड़ी में उमड़े गणमान्य लोग

पैग़ाम-ऐ-जगत
हांसी (दिनकर गावड़ी)

वरिष्ठ भाजपा नेता एवं भारत सरकार के स्वतंत्र निदेशक अशोक कन्नौजिया के पिता स्वर्गीय बनी सिंह कन्नौजिया की रस्म पगड़ी के अवसर पर सुभाष ड्रामाटिक क्लब में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर



- **विनम्र स्वभाव और समाजसेवा के लिए सदैव याद किए जाएंगे स्वर्गीय बनी सिंह कन्नौजिया**

विभिन्न राजनीतिक, सामाजिक एवं धार्मिक क्षेत्रों से जुड़े गणमान्य व्यक्तियों, जनप्रतिनिधियों, परिवारजनों, रिश्तेदारों और शुभचिंतकों ने पहुंचकर दिवंगत आत्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

स्वर्गीय बनी सिंह कन्नौजिया का निधन 1 अक्टूबर 2026 को हुआ था। उनके निधन से परिवार सहित परिचितों और शुभचिंतकों में शोक की लहर है। श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित लोगों ने उनके सरल, सहज और विनम्र स्वभाव को याद करते हुए कहा कि बनी सिंह कन्नौजिया एक नेकदिल, मिलनसार और समाजसेवी व्यक्तित्व के धनी थे। उनका व्यवहार हर किसी के प्रति आत्मीयता और सम्मान से भरा रहता था। वे अपने सौम्य स्वभाव, मधुर व्यवहार और सामाजिक सरोकारों के प्रति लगाव के कारण लोगों के बीच विशेष सम्मान रखते थे।

स्वर्गीय बनी सिंह कन्नौजिया ने अपने जीवन में पारिवारिक मूल्यों, आपसी भाईचारे और सामाजिक सद्भाव को हमेशा महत्व दिया। उनका व्यक्तित्व सादगी, विनम्रता और मानवीय संवेदनाओं का प्रतीक था। वे लोगों के सुख-दुख में सहभागी बनने और सभी के साथ प्रेमपूर्वक व्यवहार करने के लिए जाने जाते थे। उनके जीवन से जुड़े संस्कार और आदर्श परिवार के साथ-साथ उनके संपर्क में आने वाले लोगों के लिए भी प्रेरणास्रोत रहेंगे। उपस्थित लोगों ने कहा कि ऐसे व्यक्तित्व अपनी विनम्रता, अच्छे व्यवहार और समाज के प्रति सकारात्मक सोच के कारण लोगों के दिलों में हमेशा जीवित रहते हैं। श्रद्धांजलि सभा में बवानी खेडा से विधायक कपूर सिंह बाल्मिकी, हरियाणा सरकार के पूर्व चेयरमैन श्रीनिवास गोयल, वन विभाग निगम के चेयरमैन रवि सैनी, श्रम कल्याण बोर्ड के चेयरमैन देवेंद्र पांचाल, यमुनानगर नगर निगम के पूर्व मेयर मदन चौहान, भाजपा हिसार के जिलाध्यक्ष अशोक सैनी, विधायक विनोद भ्याणा के पुत्र साहिल भ्याणा तथा हरियाणा सरकार के हैफेड के पूर्व प्रशासक नरेंद्र भ्याणा ने पहुंचकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर पार्षद एवं भाजपा के पूर्व प्रधान अशोक ढालिया,राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े कृष्ण यादव एवं प्रवीण लोहान, भारत विकास परिषद से जुड़े कमलेश गर्ग, भाजपा नेता मंदीप मलिक, प्रेम वर्मा, पार्षद रमेश मदान,पार्षद दुली चंद नगौरा,सत्यपाल खांडेवाला, सुरेश बंसल, विजय गोयल, संजू खांडेवाला, वेद नारंग, सतीश कालरा, जुगल किशोर खट्टर और सुरेश तंवर सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं शुभचिंतक उपस्थित रहे।

स्वर्गीय बनी सिंह कन्नौजिया अपने पीछे चार पुत्रों और दो पुत्रियों सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके पुत्रों में वरिष्ठ भाजपा नेता एवं भारत सरकार के स्वतंत्र निदेशक अशोक कन्नौजिया, अजीत कन्नौजिया, रघुवीर कन्नौजिया और राजेंद्र कन्नौजिया शामिल हैं। उनकी पुत्रियों के नाम माया और संतोष हैं। सभा में मौजूद लोगों ने कहा कि स्वर्गीय बनी सिंह कन्नौजिया का विनम्र व्यक्तित्व, मिलनसार स्वभाव और समाज के प्रति उनका सकारात्मक दृष्टिकोण सदैव स्मरण किया जाता रहेगा। उनका निधन परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है, लेकिन उनके द्वारा दिए गए संस्कार, जीवन मूल्य और लोगों के साथ बनाए गए आत्मीय संबंध हमेशा उनकी यादों को जीवंत रखेंगे।

पी.ए.यू. एग्रीकल्चरल इंजीनियर्स एलुमनाई एसोसिएशन द्वारा परिवार मिलन समारोह

पैग़ाम-ऐ-जगत
हरमिंदर नागपाल (चंडीगढ़)

एलुमनाई एसोसिएशन कॉलेज ऑफ़ एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी पी.ए.यू. लुधियाना, चंडीगढ़ चैप्टर ने 11-10-2026 को इंस्टीट्यूशन ऑफ़ इंजीनियर्स सेक्टर 19 ए, चंडीगढ़ में एक फैमिली गेट-टुगेदर ऑर्गनाइज़ किया। इस मीटिंग में अलग-अलग फील्ड के 36 एग्रीकल्चरल इंजीनियरों समेत 50 से ज़्यादा लोग शामिल हुए। इंजीनियर सुरिंदर मोहन शर्मा आईपीएस, डीजीपी (रिटायर्ड) इस मीटिंग के चीफ गेस्ट के तौर पर मौजूद थे। फैमिली 'गेट-टुगेदर' की थीम पंजाब में धान और गेहूं की पराली न जलाकर प्रदूषण-मुक्त माहौल को बढ़ावा देना था, क्योंकि कॉलेज ने पी.ए.यू. स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम, हैप्पी सीडर और ज़ीरो ड्रिल



मशीन जैसी पराली मैनेजमेंट मशीनें डेवलप करने में लीडिंग रोल निभाया है।

दूसरे खास लोग, इंजीनियर रतन सिंह प्रेसिडेंट एसोसिएशन, इंजीनियर हरिंदर पाल सिंह चीफ पैट्रन, इंजीनियर एम.एस. छिब्बर ड्वेल्स रिटायर्ड, इंजीनियर महेंद्र कंवल कंजर्वेटर ऑफ़ सॉइल्स पंजाब, रिटायर्ड, इंजीनियर एच.एस. लोहान, के.के. सेठ, इंजीनियर एस.सी. गांधी, इंजीनियर मनमोहन कालिया जॉइंट डायरेक्टर एग्रीकल्चर रिटायर्ड, इंजीनियर रमेश सतीजा डीजीएम एस.बी.आई रिटायर्ड, इंजीनियर उमा कांत शर्मा, और इंजीनियर केशव कुमार डिवीज़न सॉइल कंजर्वेटर भी अपने परिवारों के साथ मौजूद थे।

अंबाला 'खोज हुनर दी' सोलो डांस मुकाबले के लिए अंबाला क्लब में हुए ऑडिशन

सेमीफाइनल 18 अक्टूबर को और ग्रैंड फिनाले 25 अक्टूबर को-बेदी

पैग़ाम-ऐ-जगत/अंबाला
12 अक्टूबर (आर.सिंह)

अंबाला के 'खोज हुनर दी' सोलो डांस मुकाबले 'स्टेज से स्टारडम तक' के लिए आज अंबाला क्लब में ऑडिशन आयोजित किए गए। 50 से अधिक प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। 18 अक्टूबर को होने वाले सेमीफाइनल के लिए 28 प्रतिभाशाली प्रतियोगियों का चयन किया गया। ज्यूरी में अरविंद सूरी, अनिल महंत बिट्टू और अमनप्रीत कौर शामिल थे।



यह मुकाबला कला और संस्कृति को समर्पित कलाकारों के पीएमजी समूह और हरियाणा कलाकार फोरम द्वारा अंबाला क्लब के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। नेक्स जनरल फाइनेंशियल सर्विसेज के एमडी और प्रसिद्ध कवि सुरजीत बुधिराजा इस समारोह में मुख्य मेहमान थे। सुरजीत बुधिराजा के पहुंचने पर परविंदर गुप्ता ने उनका स्वागत किया।

मंच संचालन करते हुए प्रोग्राम के कोऑर्डिनेटर और थिएटर कलाकार जसदीप बेदी ने कहा कि इस मुकाबले के आयोजन का मुख्य उद्देश्य छिपी प्रतिभाओं को एक प्लेटफार्म प्रदान करना और उनकी प्रतिभा को निखारना और उन्हें स्टेज से स्टारडम तक ले जाना है। इस सोलो डांस मुकाबले का सेमीफाइनल 18 अक्टूबर को और ग्रैंड फिनाले 25 अक्टूबर को इसी अंबाला क्लब में होगा। आज के प्रोग्राम को सफल बनाने में समाज सेवक संजय सेठी, राकेश मक्कड़, उमा शंकर, गगनजोत सिंह बेदी और प्रिया सिंह मुल्तानी ने विशेष भूमिका निभाई। प्रतिभागियों के साथ-साथ, प्रोग्राम में बड़ी संख्या में उनके माता-पिता और अध्यापक भी मौजूद थे।

करनाल में अवैध डेयरियों पर नगर निगम सख्त, 44 संचालकों को अंतिम नोटिस जारी

पैग़ाम-ऐ-जगत/करनाल
12 अक्टूबर (प्रवीण वालिया)

नगर निगम करनाल ने शहर में अवैध रूप से संचालित पशु डेयरियों के खिलाफ कार्रवाई तेज करते हुए 44 संचालकों को अंतिम नोटिस जारी किए हैं। उन्हें सात दिन के भीतर अपनी डेयरियां पिंगली डेयरी कॉम्प्लेक्स में स्थानांतरित करने अथवा आवंटित प्लॉट पर निर्माण शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। ऐसा नहीं करने पर प्लॉट जमा राशि सहित जब्त करने और शहर में चल रही डेयरियों को सील करने की कार्रवाई की जाएगी।

नगर निगम के संयुक्त आयुक्त दलजीत सिंह ने बताया कि डेयरी संचालन को व्यवस्थित करने और नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए यह कदम उठाया गया है। पिंगली कॉम्प्लेक्स में प्लॉट आवंटित होने के बावजूद कई संचालकों ने अभी तक डेयरियां स्थानांतरित नहीं की हैं।

उन्होंने बताया कि 8 संचालकों ने कॉम्प्लेक्स में डेयरी निर्माण तो कर लिया है, लेकिन शहर से अपनी डेयरियां स्थानांतरित नहीं की हैं। उन्हें सात दिन का अंतिम समय दिया गया है। वहीं, 36 संचालकों को आवंटित प्लॉट पर सात दिन में निर्माण शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। ऐसा नहीं करने पर उनके प्लॉट जमा राशि सहित जब्त किए जाएंगे और शहर में चल रही डेयरियां सील होंगी।

- **सात दिन में पिंगली डेयरी कॉम्प्लेक्स में शिफ्ट करने और निर्माण शुरू करने के निर्देश, उल्लंघन पर होगी कार्रवाई : दलजीत सिंह**



संयुक्त आयुक्त ने बताया कि कॉम्प्लेक्स में कुल 231 प्लॉट हैं, जिनमें से 137 दो चरणों में ड्रॉ के माध्यम से आवंटित किए गए हैं। इनमें से 63 डेयरियां स्थानांतरित हो चुकी हैं, 19 डीपीसी स्तर तक पहुंच गई हैं और 6 प्लॉटों पर निर्माण जारी है। शेष 45 आवंटित प्लॉटों पर अभी निर्माण शुरू नहीं हुआ है। उन्होंने संचालकों से निर्धारित समय में निर्देशों का पालन करने की अपील करते हुए कहा कि नगर निगम का उद्देश्य डेयरी संचालन को व्यवस्थित करने के साथ शहर की स्वच्छता सुनिश्चित करना है।

एसडीएम सुरिंदर सिंह ने खाई स्कूल में किया औचक निरीक्षण

पैगाम-ऐ-जगत
रतिया, 12 अक्टूबर
(एडवोकेट गुरप्रीत सिंह मंडेर)

उपमंडलाधीश सुरिंदर सिंह ने कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, खाई तथा मिडल स्कूल खाई का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने छात्रावास की व्यवस्थाओं



- **पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश; छात्राओं को लक्ष्य निर्धारित कर उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए किया प्रेरित**

का जायजा लिया और कक्षाओं में जाकर छात्राओं से संवाद किया। उन्होंने छात्राओं से पढ़ाए जा रहे पाठ्यक्रम, शैक्षणिक गतिविधियों तथा पढ़ाई में आ रही समस्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त की।

इस अवसर पर एसडीएम सुरिंदर सिंह ने विद्यालय परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण को स्वच्छ एवं सुरक्षित रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। पेड़-पौधे प्रकृति का अनमोल उपहार हैं, जो हमें शुद्ध वायु, छाया और जीवन प्रदान करते हैं। प्रत्येक विद्यार्थी को अपने जीवन में पौधे लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल करने का संकल्प लेना चाहिए।

छात्राओं को लक्ष्य निर्धारित करने का दिया संदेश

छात्राओं को संबोधित करते हुए एसडीएम सुरिंदर सिंह ने कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए स्पष्ट लक्ष्य, कठिन परिश्रम, अनुशासन और आत्मविश्वास बेहद आवश्यक हैं। छात्राओं को अभी से अपने भविष्य की योजना बनानी चाहिए और यह तय करना चाहिए कि बारहवीं कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद वे किस क्षेत्र में उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहती हैं। सही समय पर लिया गया निर्णय उनके भविष्य को नई दिशा दे सकता है।

उन्होंने कहा कि बेटियां आज शिक्षा, प्रशासन, चिकित्सा, विज्ञान, खेल, तकनीक और अन्य क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं। ग्रामीण क्षेत्र की छात्राओं में भी अपार प्रतिभा और क्षमताएं हैं। आवश्यकता केवल उन्हें उचित मार्गदर्शन, अवसर और आत्मविश्वास प्रदान करने की है। उन्होंने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि वे अपनी परिस्थितियों को अपनी कमजोरी न बनने दें, बल्कि शिक्षा को अपनी ताकत बनाकर जीवन में ऊंचे मुकाम हासिल करें।

एसडीएम ने विद्यालय के स्टाफ को निर्देश दिए कि छात्राओं को नियमित रूप से करियर काउंसलिंग के माध्यम से विभिन्न शैक्षणिक पाठ्यक्रमों, प्रतियोगी परीक्षाओं, छात्रवृत्तियों तथा रोजगार के अवसरों की जानकारी दी जाए, ताकि वे अपनी रुचि और योग्यता के अनुसार भविष्य का चुनाव कर सकें। उन्होंने कहा कि शिक्षकों का दायित्व केवल पाठ्यक्रम पूरा करवाना ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को जीवन में सही दिशा दिखाना भी है।

छात्रावास की समस्याओं का समाधान करने के निर्देश

निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने छात्रावास में उपलब्ध सुविधाओं, स्वच्छता, भोजन, पेयजल तथा छात्राओं की अन्य आवश्यकताओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने छात्राओं से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित स्टाफ को आवश्यक समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि छात्राओं को सुरक्षित, स्वच्छ और अनुकूल शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध करवाना प्रशासन तथा विद्यालय प्रबंधन की प्राथमिकता होनी चाहिए।

उन्होंने विद्यालय प्रशासन को शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार करने, छात्राओं की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा उनकी शैक्षणिक और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए भी प्रेरित किया।

इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य अवनीश गर्ग, साहित्यकार डॉ. नैब सिंह मंडेर, प्रवक्ता चरणजीत सिंह, कंवरजीत सिंह, बनवारी लाल, मुकेश कुमार, गुलजिंदर सिंह, सोनू गर्ग, घनश्याम, सुनीता मोंगा, शीनू रानी, सरिता रानी, सीमावंती, नीशू रानी, रविंदर सिंह सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

बेटी के जन्म पर सजी सूफी महफिल, कमल संधु टोनी ने पेश की मिसाल

पैग़ाम-ऐ-जगत
जिंदबड़ी/नंगल/ऊना, 11 अक्तूबर (राजवीर चोपड़ा)

- **बेटी विराज संधु के आगमन पर खुशियों से गूंजा जिंदबड़ी, सूफी गायक बल्ली बैंस ने बांधा समां; संत श्री केशवानंद महाराज रहे मुख्य अतिथि**



बेटी के जन्म पर किसी घर में किलकारियां गूंजती हैं, लेकिन उस खुशी को पूरे समाज के साथ बांटने का फैसला हर कोई नहीं कर पाता। जिंदबड़ी निवासी कमल संधु टोनी ने अपनी बेटी विराज संधु के जन्म की खुशी को यादगार बनाते हुए सूफी महफिल सजाई और समाज को खूबसूरत संदेश दिया कि बेटी किसी परिवार की जिम्मेदारी भर नहीं, बल्कि उसके आंगन की रौनक, दिल का सुकून और जीवन की सबसे अनमोल खुशियों में से एक है। बेटी के जन्म को उत्सव बनाकर कमल संधु टोनी ने ऐसी मिसाल पेश की, जिसका संदेश संगीत की महफिल से आगे बढ़कर समाज की सोच तक पहुंचता है।

बेटी विराज संधु के जन्म की खुशी में आयोजित इस कार्यक्रम में सैकड़ों लोगों ने भाग लेकर परिवार को बधाई दी। पूरा माहौल खुशियों, अपनत्व और उत्साह से सराबोर रहा। रविवार देर शाम आयोजित कार्यक्रम में संत श्री केशवानंद महाराज मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि सूफी गायक बल्ली बैंस ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से महफिल में ऐसा समां बांधा कि उपस्थित लोग संगीत की सुरमयी दुनिया में खो गए। हर प्रस्तुति ने कार्यक्रम की रौनक बढ़ाई और बेटी के जन्म की खुशी को और भी यादगार बना दिया।इस आयोजन की सबसे खास बात केवल सूफी संगीत या लोगों की भीड़ नहीं, बल्कि इसके पीछे छिपी भावना रही। जिस समाज में आज भी कहीं-कहीं बेटियों और बेटों के बीच अंतर किया जाता है, वहां बेटी के जन्म पर इस तरह खुशी मनाना अपने आप में एक मजबूत संदेश है। एक पिता का अपनी बेटी के आगमन को पूरे उत्साह के साथ उत्सव बनाना उन परिवारों के लिए भी प्रेरणा है, जो आज भी पुरानी सोच की बेड़ियों में जकड़े हुए हैं। विराज संधु के जन्म की यह खुशी बताती है कि बेटी का आगमन किसी उत्सव से कम नहीं और उसके स्वागत में उठाया गया हर सकारात्मक कदम समाज में बदलाव की नई उम्मीद जगा सकता है। कार्यक्रम में श्री केशवानंद जी महाराज सेवा ट्रस्ट की गवर्निंग बॉडी के अध्यक्ष राजीव कुमार, उपाध्यक्ष कमल सिंह, सचिव सुनील कुमार, कोषाध्यक्ष मनोज कुमार, मुख्य प्रचारक सुखविंदर सिंह तथा कार्यकारी सदस्य हरमीत सिंह और शशिपाल सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कमल संधु टोनी की इस पहल ने खुशियों के बीच एक ऐसा संदेश छोड़ा, जिसे शब्दों से अधिक भावनाएं बयां करती हैं। बेटी विराज संधु के जन्म पर सजी यह सूफी महफिल केवल एक पारिवारिक समारोह नहीं, बल्कि बेटियों के सम्मान, समानता और उनके प्रति सकारात्मक सोच को समर्पित एक सुंदर प्रयास बन गई। एक पिता ने अपनी बेटी के स्वागत में खुशियों के दरवाजे खोले, तो उन खुशियों में शामिल सैकड़ों लोगों ने भी इस संदेश को आगे बढ़ाया कि बेटियां बोझ नहीं, परिवार की शान होती हैं; उनके आने से घर ही नहीं, जिंदगी भी रोशन होती है।